● वर्ष : 17 ● अंक : 213 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 24 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

19 वाँ रोजगार मेला: 51 हजार युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री बोले- अब आप देश की विकास यात्रा का हिस्सा अब तक 12.50 लाख से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि देश का युवा विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाला है और आने वाले वर्षों में नई अर्थव्यवस्था तथा टेक्नोलॉजी आधारित क्षेत्रों में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन देशभर के हजारों युवाओं और उनके परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नियुक्ति पाने वाले युवा रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं तथा वे देश की विकास यात्रा के जिम्मेदार भागीदार बनेंगे। मोदी ने कहा कि हाल ही में उनकी पांच देशों की यात्रा के दौरान दुनिया की बड़ी कंपनियों के प्रमुखों से विस्तृत चर्चा हुई और हर जगह भारत के युवाओं तथा देश की तकनीकी प्रगति को लेकर उत्साह दिखा। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है और भारत विभिन्न देशों के साथ साझेदारी बढ़ाकर युवाओं के लिए नए अवसर तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि क्लीन एनर्जी, क्रिटिकल मिनरल्स, ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ने से भारत भविष्य की क्लीन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में मजबूत होगा। यूएई और नॉर्वे के साथ साझेदारी से भारत का शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम भी मजबूत होगा, जिससे इंजीनियरों, टेक्निशियनों और स्किल्ड वर्कर्स की मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए

विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर तैयार हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है और देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन विकसित की जा रही है। आने वाले वर्षों में भारत की 10 बड़ी सेमीकंडक्टर यूनिट्स वैश्विक स्तर पर पहचान बनाएंगी और इनमें युवाओं की बड़ी भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि गांवों में बढ़ती कनेक्टिविटी से किसानों, छोटे व्यापारियों और विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खुले हैं। उन्होंने नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बड़ी संख्या में महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप सामने आ रहे हैं और मुद्रा योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को आर्थिक सहायता मिली है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से सार्वजनिक सेवा को राष्ट्रसेवा और जनसेवा का माध्यम मानकर कार्य करने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि देशभर में आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक करीब 12 लाख नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देश के 47 स्थानों पर आयोजित किया गया। इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों को रेल, गृह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नियुक्ति दी गई।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से उन्हें निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। रूबियो ने रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। रूबियो ने पश्चिम एशिया की स्थिति समेत विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिकी दृष्टिकोण भी साझा किया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

भय, लालच और पूंजीवाद के बीच महासंकट में फंसी भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में जिस दिशा में आगे बढ़ी है, उसने विकास के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिये बड़े गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में "अच्छे दिन", हर साल दो करोड़ नौकरियां, विदेशों से काला धन वापस लाने और हर परिवार के खाते में 15 लाख रुपये जैसे बड़े-बड़े वादों के सहारे आर्थिक समृद्धि का सपना दिखाया गया। 2026 तक आते-आते यह साफ दिखाई देने लगा है, इन वादों और वास्तविक आर्थिक स्थिति के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है। देश की सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी मानी जाती है, लेकिन विडंबना यह है, कि वही युवा आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा का सामना कर रहा है।

शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी करोड़ों युवाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। जहां नौकरियां मिलीं भी हैं, वहां ठेका व्यवस्था और कम वेतन ने युवाओं के शोषण को बढ़ावा दिया है। दूसरी ओर, सरकार भारत को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का दावा करती रही। आर्थिक विकास का लाभ आम नागरिक तक अपेक्षित रूप में नहीं पहुंच पाया। नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसलों को ऐतिहासिक आर्थिक सुधार बताया गया था, परंतु इनके दुष्परिणाम सबसे अधिक छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु-उद्योगों को झेलने पड़े। नोटबंदी के बाद काला धन समाप्त करने का दावा किया गया, लेकिन अधिकांश नकदी फिर बैंकों में लौट आई। वहीं जीएसटी की जटिल व्यवस्था ने छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी। लाखों छोटे और मध्यम उद्योग बंद होते चले गए, जिससे रोजगार के अवसर भी घटते गए।

इस बीच महंगाई लगातार बढ़ती रही। पेट्रोल-डीजल, खाद, बिजली, बैंकिंग सेवाएं और दैनिक जरूरतों की वस्तुएं महंगी होती गईं, जबकि आम लोगों की आय उस अनुपात में नहीं बढ़ी। परिणामस्वरूप मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग कर्ज के जाल में फंसता चला गया। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जैसे- मुफ्त राशन, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना या किसान सम्मान निधि का व्यापक प्रचार जरूर हुआ, लेकिन इनके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कई मामले सामने आए हैं। कई ऑडिट रिपोर्टों में करोड़ों रुपयों के फर्जी भुगतान और वित्तीय गड़बड़ियों को उजागर किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की एक और बड़ी चुनौती बढ़ता कर्ज और राजकोषीय घाटा है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार बड़े पैमाने पर उधार लेकर विकास के दावे कर रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विकास टिकाऊ है? विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर भृष्टाचार हो रहा है। कमीशन की राशि 30 से 50 फीसद तक पंहुच गई है। इस कमीशनखोरी में कैसा विकास हुआ है, इसे आसानी से समझा जा सकता है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

भारतीय युवा चीनी भाषा सीखकर दोनों देशों के बीच मित्रता के दूत बनें: चीनी राजदूत

नई दिल्ली। चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने चीनी भाषा कुशलता प्रतियोगिता कार्यक्रम में कहा कि भारतीय युवाओं में चीनी भाषा सीखने की बढ़ती रुचि दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा दे रही है। उन्होंने इसे आपसी समझ और मित्रता को मजबूत करने वाला कदम बताया। फेइहोंग ने शुक्रवार को यहां चीनी भाषा कुशलता प्रतियोगिता (भारत खंड) 'चाइनीज ब्रिज' के फाइनल और पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, निर्णायकों, शिक्षकों और छात्रों को बधाई दी और विजेता प्रतिभागियों की सराहना की। राजदूत ने कहा कि पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय चीनी भाषा दिवस पर 150 से अधिक भारतीय छात्रों और शिक्षकों ने चीनी कला और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लिया था। आज के फाइनल में प्रतिभागियों ने चीनी भाषा पर अपनी मजबूत पकड़, जोश और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उन्होंने 'चाइनीज ब्रिज' प्रतियोगिता के 25वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चीनी भाषा शिक्षा का ओलंपिक करार दिया। उन्होंने कहा कि इस मंच ने पिछले 25 वर्षों में कई युवाओं को बेहतर अवसर दिए हैं। गत वर्ष एक भारतीय प्रतिभागी को चीन सदर्न एयरलाइंस में नौकरी मिली थी। उन्होंने घोषणा की कि भारतीय युवाओं के लिए जल्द ही 'एक्सपीरियंसिंग चाइना' अध्ययन यात्रा कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई अन्य मंत्रियों ने नितिन नवीन को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और राजनेताओं ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नवीन को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर कहा, "कुशल संगठनकर्ता एवं राज्यसभा सांसद नितिन नवीन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, समृद्ध एवं सुयशपूर्ण जीवन की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वभाव से सरल एवं सहज नितिन नवीन को सरकार और संगठन, दोनों जगहों पर काम करने का अच्छा अनुभव है। अपने उत्कृष्ट संगठन कौशल और सौम्य व्यक्तित्व से वे भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं का स्नेह और विश्वास अर्जित करने में सफल हो रहे हैं। मैं उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की ईश्वर से कामना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नितिन नवीन का सरल व्यक्तित्व, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं में सेवा व कर्तव्य भाव को बढ़ावा देने का सतत प्रयास पार्टी को और भी सशक्त बनाता रहेगा। ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना करता हूं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि ईश्वर से नितिन नवीन के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं।

तुर्की-पाकिस्तान की धुरी को भारत का करारा जवाब: साइप्रस के साथ रणनीतिक साझेदारी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने पूर्वी भूमध्य सागर के महत्वपूर्ण देश साइप्रस के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया है। यह कदम तब उठाया गया है जब तुर्की लगातार भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान की सहायता कर रहा है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच हुई बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, जिन्हें तुर्की के लिए जैसे को तैसा जवाब माना जा रहा है। इस दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए पाँच साल का रोडमैप जारी किया है, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। इसके अतिरिक्त, समुद्री परिवहन, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मज़बूत करने का फैसला है। इस मौके पर आतंकवाद-रोधी उपायों पर संयुक्त कार्य समूह के गठन, राजनयिक प्रशिक्षण, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी, खोज और बचाव कार्यों में समन्वय, तथा उच्च शिक्षा, अनुसंधान व सांस्कृतिक सहयोग से संबंधित कुल छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। पूर्वी भूमध्य सागर में तुर्की और साइप्रस के बीच समुद्री सीमाओं के निर्धारण, विशाल प्राकृतिक गैस भंडारों पर अधिकार और द्वीप के ऐतिहासिक राजनीतिक विभाजन को लेकर गहरा तनाव रहा है।

साइप्रस गणराज्य अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) का निर्धारण संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून समझौते (यूएनसीएलओएस) के तहत करता है, जबकि तुर्की, जिसने इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, साइप्रस की गैस खोज को अवैध मानता है। तुर्की अपनी ब्लू होमलैंड नीति के तहत भूमध्य सागर के बड़े हिस्से पर अपना कानूनी और सैन्य वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई किल्लत नहीं, कुछ जगहों पर स्थानीय समस्या: आईओसी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने शनिवार को देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी होने से इनकार किया है। कंपनी ने एक्स पर पोस्ट में देश में पेट्रोल-डीजल की समग्र किल्लत से इनकार करते हुए कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी होने से संबंधित खबरें 'बेहद स्थानीय' और अस्थायी प्रकृति की हैं, जो क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री के प्रारूप में बदलाव का नतीजा हैं। कंपनी ने कहा, "इंडियन ऑयल अन्य तेल विपणन कंपनियों के साथ मिलकर देशभर में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार एवं आपूर्ति बनाए हुए है। आईओसी ने कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर बढ़ी हुई मांग की वजह फसल कटाई के समय डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि, अपेक्षाकृत अधिक कीमत वाले निजी पेट्रोल पंपों से ग्राहकों का सरकारी क्षेत्र के पंपों की तरफ स्थानांतरण और थोक ईंधन की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुरूप वृद्धि के कारण संस्थागत खरीद में बढ़ोतरी है। कंपनी

ने कहा कि इंडियन ऑयल के रिटेल आउटलेट पूरी तरह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। ईंधन की उपलब्धता सामान्य है और आपूर्ति भी स्थिर है। इसमें किसी भी तरह की चिंता या रुकावट नहीं है। आईओसी ने बताया कि यह जानकारी हरियाणा के हमारे एक नियमित ग्राहक से मिली है। कंपनी ने कहा कि हर सुगम सफर के पीछे हमारे कर्मचारियों का समर्पण है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि आपको जब भी और जहां भी ज़रूरत हो, ईंधन उपलब्ध हो। एक से 22 मई के दौरान पेट्रोल की बिक्री में सालाना आधार पर 14 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डीजल की बिक्री लगभग 18 फीसदी बढ़ी है, जो मांग में निरंतर और अत्यंत उच्च वृद्धि को दर्शाता है, जिसे वह देशभर में पूरा कर रही है। आईओसी ने कहा, "हम ग्राहकों और आम जनता को यह आश्वस्त करना चाहते हैं कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई समग्र किल्लत नहीं है। कुछ खुदरा केंद्रों पर देखी जा रही स्थिति अत्यंत स्थानीय और अस्थायी है, जो स्थानीय मांग-आपूर्ति असंतुलन तथा चुनिंदा क्षेत्रों में बिक्री प्रवृत्ति के पुनर्संतुलन के कारण उत्पन्न हुई है।

न्यूयॉर्क के शिपयार्ड में धमाका एक की मौत और 36 घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को एक जोरदार धमाके से दहल उठा। स्थानीय अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, न्यूयॉर्क शहर के एक प्रमुख शिपयार्ड में हुए इस भीषण विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि ३६ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। धमाका इतना तेज था कि इसकी गूंज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और पूरे इलाके को चारों तरफ से घेर लिया। फिलहाल, यह धमाका क्यों और किस वजह से हुआ, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट की तीव्रता इतनी भयानक थी कि आसपास की इमारतों में रह रहे लोगों के बीच दहशत फैल गई। घटना के तुरंत बाद घायलों को मलबे से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों के मुताबिक कुछ लोगों की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। राहत टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिपयार्ड और उसके आसपास फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

संसद सुरक्षा चूक मामले में यूएपीए के तहत 13 हजार पन्नों की चौथी चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिसंबर 2023 के संसद सुरक्षा चूक मामले में बड़ी कार्रवाई कर अदालत में 13 हजार पन्नों की चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दाखिल की गई है, जो मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। इस विस्तृत चार्जशीट में आरोपियों पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होना, दंगा भड़काने की साजिश रचना और देश की सुरक्षा को खतरे में डालना प्रमुख हैं। पुलिस ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने जानबूझकर संसद की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य देशभर में भय और अशांति का माहौल बनाना था। स्पेशल सेल ने अपनी जांच के दौरान जुटाए गए ठोस सबूतों, डिजिटल डेटा, कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार्जशीट तैयार की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ यूएपीए की कई गंभीर धाराएं भी लगी हैं, जिसमें सरकारी कामकाज में बाधा डालना, ड्यूटी पर तैनात लोकसेवकों को रोकना, दंगा भड़काने के लिए उकसाना, सबूत मिटाना और आपराधिक साजिश रचना जैसे अपराध शामिल हैं।

अमरनाथ यात्रा: बाबा बर्फानी की पहली तस्वीरें सामने आईं, 6-7 फीट का शिवलिंग

एजेंसी। श्रीनगर

पवित्र अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बीच, बाबा बर्फानी के हिमलिंग की पहली तस्वीरें सामने आई हैं, सामने आई तस्वीर ने लाखों श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया है। इन तस्वीरों में बाबा बर्फानी का प्राकृतिक शिवलिंग 6 से 7 फीट का आकार ले चुका है। यात्रा शुरू होने से पहले ही सुरक्षा में तैनात जवानों ने सबसे पहले पवित्र हिमलिंग के दर्शन किए। पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिमलिंग के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होकर पहुंचते हैं। यह न केवल एक धार्मिक यात्रा है, बल्कि प्रकृति के अद्भुत दृश्यों और

आत्मिक शांति की भी खोज है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरु होकर 28 अगस्त को रक्षा बंधन के पावन मौके पर संपन्न होगी। यह यात्रा कुल 57 दिनों तक चलेगी। अब तक 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र यात्रा के लिए अपना पंजीकरण करा चुके हैं। हालांकि, यात्रा मार्ग पर अभी भी कई स्थानों पर 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है, लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। बीआरओ दोनों पारंपरिक रास्तों को बहाल करने में युद्धस्तर पर जुटा हुआ है, ताकि जोखिम भरे रास्तों को सुरक्षित बना सके। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक बालटाल-सोनमर्ग और नुनवान-पहलगाम दोनों मार्ग पूरी तरह से श्रद्धालुओं के लिए तैयार कर दिए जाएंगे। बाबा बर्फानी की यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हुए थे। 5 से 30 लोगों के बड़े समूह में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण बुधवार को बंद हो गए हैं। हालांकि, अकेले या छोटे समूह में यात्रा करने के इच्छुक श्रद्धालु स्लॉट खाली रहने तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के बड़े हिस्से को अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत के आसार नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली और एनसीआर समेत उत्तर एवं मध्य भारत में शनिवार को भी भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहा।अगले कुछ दिनों तक इससे राहत मिलने के आसार नहीं हैं, जबकि दक्षिण तथा पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार रविवार (24 मई) से आसमान साफ रहने और कुछ जगहों पर लू चलने के आसार हैं। इस दिन 20-30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जिनकी रफ्तार दिन के दौरान 40 किमी प्रति घंटा हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43-45 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। 25 मई को दोपहर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार

हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवाओं की गति 45 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने 26 मई को राजधानी के कुछ क्षेत्रों में लू चलने और 20-30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी दी है। दिन में हवाओं की गति बढ़कर 45 किमी प्रति घंटा हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43-45 डिग्री सेल्सियस और 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। अगले कुछ दिनों तक देश के बड़े हिस्से को गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में 24-29 मई तक और मध्य तथा पूर्वी भारत में अगले 7 दिनों तक और पूर्वी व उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में 23-26 मई के बीच भीषण लू का प्रकोप रहने की आशंका है। एक तरफ जहां उत्तर भारत तप रहा है, वहीं पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर 11-20 सेमी बारिश दर्ज की गई। वहीं बिहार, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 7-11 सेमी बारिश हुई। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में ओलावृष्टि हुई। इसके अलावा पंजाब, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों में 50-80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से धूलभरी आंधी और तूफान दर्ज किया गया।

पंजाब सरकार गंभीर वित्तीय, प्रशासनिक संकट की ओर अग्रसर: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राज्य को वित्तीय संकट में डालने का आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा है कि जब आम आदमी पार्टी वर्ष 2022 में सत्तारूढ़ हुई थी तो पंजाब पर लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था लेकिन अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के बजाय, कर्ज का बोझ अब 2027 तक डरावने 4.5 लाख करोड़ रुपये की ओर बढ़ रहा है। भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा कि हर साल भारी कर्ज लिया जा रहा है। राज्य की आय का बड़ा हिस्सा केवल पुराने कर्ज और ब्याज चुकाने में जा रहा है। विकास पर होने वाला खर्च लगातार घट रहा है। वेतन, पेंशन और अनुदानों में देरी हो रही है। विभिन्न क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं का बकाया बढ़ता जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार 2026-27 में पंजाब को केवल कर्ज की अदायगी पर ही 42,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने पड़ सकते हैं, जिसमें लगभग 29,000 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज भुगतान के लिए होंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के वित्त मंत्री ने भी स्वीकार किया है कि नए कर्ज का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में ही खर्च हो रहा है, न कि नए विकास या परिसंपत्तियों के निर्माण में।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

एशियाई उत्पादकता संगठन की शासी निकाय की 68वीं बैठक संपन्न

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) की शासी निकाय की 68वीं बैठक यहां संपन्न हो गई। एपीओ शासी निकाय ने अपने तीन दिवसीय इस बैठक में 'विजन 2030' रोडमैप और संस्थागत प्रदर्शन उपायों की समीक्षा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) की शासी निकाय की बैठक (जीबीएम) की 68वीं बैठक, 20–22 मई तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में तीन दिनों तक चली चर्चाओं, रणनीतिक विचार-विमर्श और उच्च-स्तरीय वार्ताओं के बाद, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक की मेजबानी राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) ने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तत्वावधान में की। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उत्पादकता संगठनों (एनपीओ) के प्रमुखों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, नीति-निर्माताओं, उत्पादकता विशेषज्ञों और एपीओ सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि एशियाई उत्पादकता संगठन की 68वीं गवर्निंग बॉडी बैठक की सफल मेज़बानी ने उत्पादकता को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सतत सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की है।

किंग्सवे कैंप मार्केट में जूते के शोरूम में आग, चार घंटे की मशक्कत के बाद काबू

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के मुखर्जी नगर इलाके में शनिवार सुबह किंग्सवे कैंप मार्केट स्थित एक जूते के शोरूम में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दुकान की तीन मंजिलें इसकी चपेट में आ गईं। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दुकान में रखा सामान जलने से आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 6:52 बजे मुखर्जी नगर थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए किंग्सवे कैंप मार्केट में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एएसआई सुखवीर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पता चला कि आग दुकान नंबर-101 में बने बाटा शोरूम के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। हालांकि कुछ ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। बताया जा रहा है कि शटर का लॉक तत्काल नहीं टूट पाने के कारण आग पर शुरुआती स्तर पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका, जिससे आग पहली और दूसरी मंजिल तक पहुंच गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। आग बुझाने के दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई और केवल दमकल विभाग के वाहनों को आने-जाने की अनुमति दी गई। इधर सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार दुकान के अंदर बड़ी संख्या में जूते और अन्य सामान कागज के डिब्बों में पैक होकर रखा हुआ था। ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से भड़कती चली गई, जिससे आग बुझाने में काफी समय लगा। पुलिस के अनुसार करीब चार घंटे तक चले अभियान के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पाया। घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गोविंदपुरी डबल मर्डर केसः मां-बेटे की हत्या का आरोपित सौरभ पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में 20 मई को मां और बेटे की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान सौरभ के रूप में हुई है।दक्षिण-पूर्वी जिले पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी ने शनिवार को बताया कि, आरोपित के साथ दक्षिण-पूर्व जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड (एएनएस) टीम की मुठभेड़ हुई। जिसमें जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपित के पैर में गोली लगी।पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित घाटी पार्क इलाके में मौजूद है और वहां बैठकर नशा कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने की योजना बनाई। पुलिस ने आरोपित को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन आरोप है कि पुलिस टीम को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपित के पैर में गोली लगी। घायल हालत में उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। मुठभेड़ के बाद आरोपित सौरभ को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि 20 मई को गोविंदपुरी इलाके में मां शारदा और बेटे खुशहाल की हत्या की वारदात सामने आई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस कई एंगल पर जांच कर रही थी और आरोपित की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही थी।

मुख्यमंत्री ने की वायु प्रदूषण को कम करने वाले नए उपकरणों की समीक्षा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सत गुरु राम सिंह मार्ग से कीर्ति नगर फायर स्टेशन होते हुए मायापुरी चौक तक के क्षेत्र का दौरा करके वायु प्रदूषण को कम करने वाले उपकरणों की समीक्षा की। इस दौरान दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरीश खुराना भी मौजूद रहे। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के साथ आज दिल्ली सरकार की इनोवेशन चैलेंज के तहत वायु प्रदूषण को कम करने वाले चयनित इनोवेशन देखें, जिनका ट्रायल राजधानी में चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए नई और प्रभावी तकनीकों का परीक्षण करना है। उन्होंने कहा कि सभी

नवाचार पूरी तरह से "मेड इन इंडिया" हैं, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' विजन को भी बल देता है। सिरसा ने कहा कि इस तरह के अलग-अलग पायलट प्रोजेक्ट दिल्ली में लगे हैं। हमारा मकसद है कि कोई भी ऐसे प्रोडक्ट्स और टेक्नोलॉजी हमें मिलती है, जिससे दिल्ली की हवा को साफ किया जा सके, उसके ऊपर काम करने की हमारी यह पहल है।सिरसा ने बताया कि एसटीआर 101 फिल्टर-लैस एयर प्यूरीफायर की 21 डिवाइस यहां खंभों पर लगाई गई है। यह हर घंटे 3 लाख लीटर हवा साफ करते हैं। यह धूल, तलछट, पीएम 2.5 और हानिकारक गैसों को खत्म करता है। इस साथ ही ईवी-माउंटेड एंटी-स्मॉग गन देश की पहली इलेक्ट्रिक गाड़ी पर लगी एंटी-स्मॉग गन है। यह पानी की बारीक बूंदों से नकली बारिश जैसा माहौल बनाता है हवा के प्रदूषण और धूल को जमीन पर बैठा देती है। उन्होंने कहा कि सड़क के डिवाइडर पर लगे पवन III डिवाइस गाड़ियों से निकलने वाले तलछट को तुरंत खींचकर साफ करता है।सिरसा ने बताया कि शुद्धवायु वाहन-माउंटेड एयर फिल्टर है, यह गाड़ियों पर लगने वाला डिटेचेबल डिवाइस चलती हुई कार को एक मोबाइल एयर प्यूरीफायर्स में बदल देता है, जो सड़क पर चलते-चलते हवा से पीएम10 और पीएम 2.5 को सोखकर साफ करता है। यह पूरी टेस्टिंग एनपीएल और आईसीएटी की कड़ी निगरानी में हो रही है। हमारी कोशिश है कि प्रदूषण कम करने के लिए इन नई तकनीकों को पूरी गंभीरता से परखा जाए। ट्रायल पूरा होने के बाद, जो भी समाधान सबसे ज्यादा असरदार साबित होंगे, उनकी साइंटिफिक प्रूवन के आधार पर उन्हें बड़े स्तर पर लागू करने की आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आम आदमी पार्टी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर साधा निशाना

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर आआपा दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में कहा कि पिछले 10 दिनों में पेट्रोल-डीजल के 5 रुपये तक दाम बढ़े। इस तरह से देखे तो भारत की अर्थव्यवस्था कई मायनों में गिरने का सबसे बड़ा कारण यह है कि सरकार पिछले 10 वर्षों में एआई और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए जो काम करना चाहिए था, वह करने में विफल रही। अब इसके कारण रुपये का मूल्य गिर रहा है। पेट्रोल, डीजल और अन्य आवश्यक चीजें सभी महंगी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता में विश्वास पैदा करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। लेकिन सरकार सिर्फ महंगाई बढ़ा

रही है। जिसके कारण से आम जनता बहुत परेशान है।पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में 5 रुपये तक दाम बढ़े। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की कि वह देश की जनता के बारें में सोचे और बढ़ती महंगाई के लिए भी कार्य करे।सिसोदिया ने कहा कि सरकार की आलोचना को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईडी और सीबीआई की शक्ति का उपयोग करके कब तक जनता के सवालों पर चुप रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से यदि महंगाई बढ़ती रही को आम जनता का क्या होगा।

कांग्रेस ने कहा- देश में बढ़ती महंगाई और कमजोर होती अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने देश में बढ़ती महंगाई और कमजोर होती अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही पूछा है कि इस संकट से निपटने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के रिसर्च विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर राजीव गौड़ा और पार्टी नेता डॉली शर्मा ने आंकड़ों के आधार पर मांग की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के प्रभाव को सरकार स्वयं वहन करे और इसका बोझ भारत की जनता पर न डाले। उन्होंने कहा कि जहां दूसरे देश यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि नागरिकों पर कम बोझ पड़े, वहीं 'महंगाई मैन' मोदी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ाकर नागरिकों पर बोझ डाल रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब सरकार ने 2014 के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में हुई लगातार गिरावट का

लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया था तो अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि पर उपभोक्ताओं के लिए कीमतें क्यों बढ़ाई जा रही हैं। गौड़ा ने कहा कि मोदी सरकार ने एक हफ्ते के अंदर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में पांच रुपये की बढ़ोतरी कर आम जनता पर लगातार प्रहार किया है। गौड़ा ने कहा कि यूपीए के शासनकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल से अधिक पहुंच गई थी, लेकिन उस समय सब्सिडी देकर देश की जनता को बढ़ती कीमतों से राहत दी गई थी। उन्होंने कहा कि जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तो वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें गिर गईं, लेकिन मोदी सरकार ने उसका फायदा नागरिकों तक पहुंचाने के बजाय उससे राजस्व अर्जित किया। अब जब कीमतें बढ़ गई हैं, तो सरकार चाहती है कि इसका पूरा बोझ आम नागरिक उठाएं। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ऐसे समय में भारत के लोगों पर बोझ क्यों डाल रही है, जब वे यह अतिरिक्त राशि चुकाने की स्थिति में नहीं हैं?

अल्पसंख्यक सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल हुए राहुल गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी की पहल की सराहना की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की पहली बैठक शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के नवनिर्मित मुख्यालय इंदिरा भवन में सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उपस्थित रहे। उन्होंने इस बैठक में देशभर के कांग्रेस पार्टी के नेताओं और साथ में विभिन्न सामाजिक क्षेत्रीय और अल्पसंख्यक पृष्ठभूमि के प्रतिनिधियों को एक साथ लाने की अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की इस पहल की सराहना की। अप्रैल के महीने में कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा ही एआईसीसी के अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की कमेटी का गठन किया गया है। आज इस बैठक में भारत के सामाजिक ताने-बाने और संवैधानिक मूल्यों के सामने बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने संविधान द्वारा प्रदत्त सद्भाव, बंधुत्व और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को कमजोर करने के सांप्रदायिक और विभाजनकारी ताकतों के प्रयासों

पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की मीटिंग के दौरान देशभर से आए अल्पसंख्यक नेताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि भाजपा की नफरत की सियासत के दिन जल्द लदने वाले हैं। पूरे देश में जिस तरह का आर्थिक संकट आने जा रहा है, उससे भाजपा की नफरत की राजनीति घुटनों पर आ जाएगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मुझे पता है आपको डराया जा रहा है, फंसाया जा रहा है लेकिन आप डरिये मत, मुल्क संविधान से चलेगा, मुहब्बत से चलेगा, कांग्रेस पार्टी पूरे देश में हर पीड़ित के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने अपील की कि आप सब लोग एक जुट होकर अल्पसंख्य विभाग के साथ अपनी आवाज़ उठाइए, सियासत में हिस्सेदारी लीजिए और इमरान प्रतापगढ़ी के हाथों को और मजबूत करिए। बैठक के आयोजक इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मुस्लिम , ईसाई, जैन, बौद्ध, सिख सहित सभी माइनॉरिटी को निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन राहुल गांधी भाजपा की नफरत के खिलाफ पूरी ताकत से खड़े हैं और देश में जिसके साथ भी जुल्म होगा, उसके साथ राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी, इमरान प्रतापगढ़ी साथ खड़े होंगे। बैठक में केसी वेणुगोपाल, तारिक अनवर, अभिषेक मनु सिंघवी और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे पार्टी के बड़े नेता भी उपस्थित रहे।

लाल किला पर 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' रविवार को, एक लाख लोगों के जुटने की संभावना; ट्रैफिक पुलिस ने बनाया विशेष प्लान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में रविवार को आयोजित होने जा रहे 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बड़े स्तर पर ट्रैफिक प्रबंधन की तैयारी की है। लाल किला मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही और कई शोभायात्राओं के कारण मध्य दिल्ली और पुरानी दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रह सकता है।दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले ट्रैफिक की स्थिति की जानकारी लें, जहां संभव हो सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

कई स्थानों से निकलेंगी शोभायात्राएंःदिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को बताया कि 'जनजाति जागृति समिति' की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के तहत राजधानी के अलग-अलग इलाकों से शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं श्यामगिरि मंदिर, रामलीला मैदान, राजघाट, कुदेसिया पार्क और अजमेरी गेट से शुरू होकर लाल किला तक पहुंचेंगी। एक साथ कई स्थानों से बड़ी संख्या में लोगों के निकलने के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर दबाव बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक योजना तैयार की है।

इन प्रमुख सड़कों पर रहेगा ट्रैफिक का दबावःट्रैफिक पुलिस के अनुसार कार्यक्रम के दौरान नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, जीटी करनाल रोड, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, आसफ अली रोड और बुलेवार्ड रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। इन मार्गों पर आवश्यकता के अनुसार यातायात को नियंत्रित करने, वाहनों को डायवर्ट करने और भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों के मुताबिक प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी ताकि यातायात सुचारु बना रहे और आम लोगों को कम से कम परेशानी हो।

रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी जाने वालों के लिए विशेष व्यवस्थाःट्रैफिक पुलिस ने आईएसबीटी कश्मीरी गेट, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी अलग ट्रैफिक योजना तैयार की है। पुलिस का कहना है कि इन स्थानों की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों और डायवर्जन की व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर ट्रैफिक को अलग-अलग मार्गों पर मोड़ा जा सकता है।

सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल की सलाहःदिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निजी वाहनों के बजाय मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही लोगों से कहा गया है कि वे सड़क पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें और ट्रैफिक एडवाइजरी पर नजर बनाए रखें।

पहले से यात्रा की योजना बनाने की सलाहःपुलिस के अनुसार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए लोगों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनानी चाहिए। विशेष रूप से पुरानी दिल्ली, लाल किला, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट और मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले लोगों को अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि कार्यक्रम के दौरान स्थिति के अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे में लोगों से सहयोग करने और धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है।

हथियार तस्करी मामले में फरार आरोपित हिमाचल से गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लंबे समय से फरार चल रहे भगोड़े अपराधी को हिमाचल प्रदेश के मनाली से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान रोहित के रूप में हुई है। वह आर्म्स एक्ट के एक मामले में भगोड़ा घोषित था। पुलिस के मुताबिक आरोपित के खिलाफ दिल्ली में कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं।क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शनिवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एनआर-1 यूनिट ने यह कार्रवाई हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के ओल्ड मनाली इलाके में की। पुलिस के अनुसार आरोपित पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए दिल्ली छोड़कर हिमाचल प्रदेश में छिपा हुआ था और वहां एक होटल में काम कर रहा था।दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की एनआर-1 टीम लगातार घोषित अपराधियों और लंबे

समय से फरार चल रहे आरोपितों की तलाश में अभियान चला रही थी। इसी कड़ी में एएसआई प्रेम वीर, हेड कांस्टेबल सोनू और हेड कांस्टेबल अमित कौशिक की टीम बनाई गई। पुलिस टीम 20 मई को विभिन्न मामलों में फरार अपराधियों की तलाश और जानकारी जुटाने के लिए आवश्यक अनुमति लेकर निजी वाहन से हिमाचल प्रदेश रवाना हुई थी। टीम कई स्थानों पर दबिश देने और सूचनाएं जुटाने के बाद वापस लौट रही थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 21 मई की सुबह करीब 10 बजे पुलिस टीम ओल्ड मनाली इलाके में थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि मॉडल टाउन थाने के आर्म्स एक्ट मामले में घोषित भगोड़ा रोहित ओल्ड मनाली के एक होटल में काम कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ओल्ड मनाली स्थित अलूमा कैफे एंड होमस्टे के आसपास जाल बिछाया। कुछ देर की निगरानी के बाद पुलिस ने दबिश देकर आरोपित को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद शुरुआती पूछताछ में आरोपित पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करता रहा। पुलिस के अनुसार वह लगातार अपना नाम और पता बदलकर बता रहा था, ताकि पहचान छिपाई जा सके। हालांकि क्राइम ब्रांच टीम की लगातार पूछताछ के बाद उसने अपनी असली पहचान उजागर की। उसने अपना नाम रोहित और पता मॉडल टाउन दिल्ली बताया।जांच में सामने आया कि वह मॉडल टाउन थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट के मामले में घोषित अपराधी था। पुलिस ने संबंधित थाने से जानकारी जुटाई तो पुष्टि हुई कि आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा था और अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित करार दिया था। पुलिस के मुताबिक आरोपित के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में वर्ष 2024 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। उसी मामले में वह फरार चल रहा था। अदालत में पेश नहीं होने के कारण उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपित के खिलाफ कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य मामलों की भी समीक्षा कर रही है।

पूर्वी दिल्ली में पुलिस-जनता संवाद, साइबर ठगी, महिला सुरक्षा और नशा मुक्त दिल्ली पर रहा जोर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल मजबूत करने तथा स्थानीय स्तर पर सुरक्षा संबंधी मुद्दों के समाधान के उद्देश्य से पूर्वी जिला पुलिस ने आरडब्ल्यूए, एमडब्ल्यूए और को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। आईपी एक्सटेंशन स्थित आईपेक्स भवन में आयोजित बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया। कार्यक्रम में साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशा मुक्त दिल्ली अभियान, स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक समस्याएं और अपराध रोकथाम जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में आरडब्ल्यूए, एमडब्ल्यूए, को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के सदस्य और स्थानीय निवासी कार्यक्रम में शामिल हुए।बैठक की अध्यक्षता स्पेशल पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) जोन-1 देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में पूर्वी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजीत कुमार सिंगला, पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार मौजूद रहे।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर लोगों को किया जागरूकःकार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन ठगी से बचाव को लेकर विशेष जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। अधिकारियों ने लोगों को डिजिटल अरेस्ट ठगी, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बारे में जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। साथ ही आधिकारिक साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से भी शिकायत करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या निवेश योजना पर बिना जांच भरोसा नहीं करने की सलाह दी गई। स्पेशल पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षित समाज के निर्माण में सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों को साइबर अपराध की तत्काल रिपोर्टिंग, महिला अपराधों के खिलाफ पुलिस की सख्त नीति और नशा मुक्त दिल्ली अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपने घरों में काम करने वाले घरेलू सहायकों और किरायेदारों का पुलिस सत्यापन कराने की अपील भी की। अधिकारियों के मुताबिक यह कदम अपराध रोकने में अहम भूमिका निभा सकता है।

महिला सुरक्षा और नशा विरोधी अभियान पर फोकसःपुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनता और पुलिस के बीच मजबूत समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार साइबर अपराध रोकने, महिला सुरक्षा मजबूत करने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बेहटी गांव में पेयजल संकट गहराया पांच साल बाद भी विकास के दावे अधूरे

लोकतंत्र की शान , संवाददाता : अरविंद कुमार / शाहजहांपुर, भावलखेड़ा ब्लॉक, शाहजहांपुर। भीषण गर्मी के बीच भावलखेड़ा ब्लॉक के बेहटी गांव में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। गांव में लगे सरकारी हैंडपंप और नल अधिकांश स्थानों पर बंद पड़े हैं, जिसके चलते ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान का पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बावजूद गांव में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। विशेष रूप से पेयजल व्यवस्था बदहाल होने से लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। गांव की महिलाओं और बुजुर्गों को तेज धूप और भीषण गर्मी में दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा है। कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कराने और गांव में स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिशु वाटिका इण्टर कॉलेज गोविंद नगर मुरादाबाद में ब्रजलोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मंडल मुरादाबाद।उत्तर प्रदेश/मुरादाबाद यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ की ओर से आयोजित है इस कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रतिमा वर्मा विद्यालय प्रबन्धक अनुज अग्रवाल विद्यालय निदेशक डॉ0 पंकज दर्पण शिशु वाटिका इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य हरिनिवास गुप्ता एस.वी.पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या ज्योत्सना गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्वलन कर किया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं द्वारा बहुत सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई विद्यालय प्रबंधक श्री अनुज अग्रवाल द्वारा छात्रों को कार्यक्रम के दौरान सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत करने के पर पुरस्कार प्रदान कर प्रेरित किया गया इसके उपरान्त मुख्य अतिथि प्रतिमा वर्मा ने अपने वक्तव्य में बताया कि वह विधालय में 23.05.2026 से 01.06.2026 तक ब्रज लोक नृत्य कार्यशाला को आयोजित करेंगी । इस नृत्य कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में सांस्कृतिक प्रतिभा को विकसित करना एवं ब्रज नृत्य के प्रति रुचि उत्पन्न करते हुए ब्रज नृत्य की विशेषताएँ भाव-भंगिमाओं की जानकारी देना है। विद्यालय प्रबन्धक अनुज अग्रवाल विद्यालय निदेशक डॉ०पंकज दर्पण एवं विद्यालय प्रधानाचार्य हरिनिवास गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है एवं इसके माध्यम से वे भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक होते है। बच्चों में इस नृत्य कार्यशाला को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान विधालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा I कार्यक्रम का संचालन सुनीता गुप्ता ने किया एवं कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् से हुआ।

रोटरी क्लब भरतियाग्राम ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को बांटे छाते

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, गजरौला। रोटरी क्लब भरतियाग्राम ने भीषण गर्मी और धूप में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए जूझने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को छाते और ग्लूकोन डी के पैकेट वितरित किए। क्लब के प्रेसीडेंट देवेंद्र बंसल ने कहा कि इनकी मेहनत वास्तव में काबिल-ए-तारीफ है। शनिवार को गजरौला में चौपला पुलिस चौकी पर रोटरी क्लब भरतियाग्राम की ओर से आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में रोटरी क्लब के प्रेसीडेंट, जुबिलेंट एग्री एंड कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र बंसल ने क्लब के पदाधिकारियों के संग यातायात पुलिसकर्मियों को छाते और ग्लूकोन डी के पैकेट वितरित किए। कहा कि भीषण गर्मी और धूप में चौराहों पर खड़े होकर ट्रैफिक कंट्रोल करना काफी मेहनत का कार्य है। वहीं यातायात निरीक्षक राजेंद्र सिंह और सह प्रभारी अनुज कुमार मलिक ने इसके लिए क्लब की प्रशंसा की। इस मौके पर क्लब के पूर्व प्रेसीडेंट, जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, सेक्रेटरी विशाल गौरव, डा. सैय्यद बिलाल अहमद, अनुपम सिंह, नाग सिंह, सागर बिस्वाल, मयंक अग्रवाल, शकीलुर्रहमान, अनुपम सिंघल, टीएसआई अनिल कुमार मधुरिया, अमित राणा, मंजीत कुमार, मौहम्मद हैदर जैदी, अजीत सिंह, शौकीन, प्रदीप आदि भी मौजूद रहे।

व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने किया विजन कॉलेज में शीतल पेय एवं शरबत वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन

लोकतंत्र की शान : खिजर अहमद , नजीबाबाद। रायपुर रोड स्थित प्रसिद्ध विजन कॉलेज में भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों एवं आमजन के लिए शीतल पेय एवं शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर कॉलेज के एमडी डॉ. मोहम्मद अयूब एवं मोहम्मद इशाक ने मुख्य अतिथि श्री सर्राफ को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि श्री कपिल सर्राफ ने कहा कि गर्मी के मौसम में यात्रियों को ठंडा जल एवं शरबत पिलाना बहुत बड़ा इंसानियत और परोपकार का कार्य है। ऐसे नेक कार्यों से ईश्वर और अल्लाह दोनों खुश होते हैं तथा मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने विजन कॉलेज के एमडी डॉ. मोहम्मद अयूब को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा और इंसानियत के कार्य करते रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के एमडी मोहम्मद अयूब ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मोहम्मद इशाक, डॉ. इलियास, जिला महासचिव रईस कुरैशी, हाजी अयूब, नगर सचिव धीरज झा, नगर युवा अध्यक्ष शेर अली, शाखा अध्यक्ष मोहम्मद असलम, कुमारी नंदनी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भाकियू भारत भूमि के कार्यकर्ता डिप्टी सीएम को हसनपुर चीनी मिल घोटाले को लेकर आज देंगे ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शनिवार को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने कार्यकर्ताओं को संगठन के ग्रुप के माध्यम से सूचित किया की 24 मई को श्याम को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश कुमार पाठक आ रहे हैं जिनको भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के कार्यकर्ता हसनपुर चीनी मिल में हुए करोड़ों के घोटाले की सीबीआई जांच किए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन देंगे जिसके लिए जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में आज रविवार को शाम 4:00 बजे तक उनके काला खेड़ा स्थित कैंप कार्यालय /आवास पर एकत्र होने का आह्वान किया है जहां से सभी कार्यकर्ता एकत्र होकर भाजपा के जिला कार्यालय अमरोहा पर पहुंच कर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को चीनी मिल घोटाले से संबंधित एवं अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन देंगे यह जानकारी उन्होंने पत्रकारों को दी।

रुमाल सिंह सैनी भाजपा जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला महामंत्री मनोनीत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को भाजपा जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी के कैम्प कार्यालय हसनपुर पर एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्मठ कार्यकर्ता रुमाल सिंह सैनी को जिला महामंत्री (अमरोहा) भाजपा जन कल्याण मंच के पद पर मनोनीत किया, कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें मनोयन पत्र (प्रमाणपत्र) सौंपकर उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी, बता ते चले कि रुमाल सिंह सैनी संगठन में एक लंबा अनुभव रखते हैं। वह वर्तमान में उझारी मंडल के सेक्टर महल मोहल्ला के सेक्टर प्रभारी हैं, इससे पूर्व वह निवर्तमान नामित सभासद (पशु कल्याण समिति, अमरोहा), पूर्व जिला संयोजक (स्वच्छता अभियान प्रकल्प, भाजपा अमरोहा), पूर्व जिला उपाध्यक्ष (अमरोहा), पूर्व जिला मंत्री (जिला कार्यकारिणी, अमरोहा), पूर्व मंडल महामंत्री व पूर्व ब्लॉक मंडल अध्यक्ष (हसनपुर) के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वही नव मनोनीत जिला महामंत्री रुमाल सिंह सैनी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे। इस मौके पर भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से भीष्म सिंह खड़कवंशी जिला अध्यक्ष बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा, राजपाल भडाना (वर्तमान मंडल उपाध्यक्ष उझारी भाजपा व सेक्टर प्रभारी / ग्राम प्रधान), सुरेश चंद जाटव (वर्तमान मंडल उपाध्यक्ष उझारी भाजपा), कलुवा सिंह खड़गवंशी (जिला संगठन मंत्री, भाजपा जन कल्याण मंच), महेश खड़गवंशी (वर्तमान मंडल महामंत्री उझारी भाजपा) आदि मौजूद रहे।

प्रभात मार्केट में नो एंट्री के दौरान ट्रक घुसने से हादसा, स्कूटी क्षतिग्रस्त

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मंडल मुरादाबाद उत्तर प्रदेश/ मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र स्थित प्रभात मार्केट में पुलिस की लापरवाही के चलते नो एंट्री के समय एक ट्रक बाजार क्षेत्र में घुस गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार, बाजार में भारी ट्रैफिक के बीच एक व्यक्ति अपनी स्कूटी से सड़क पार कर रहा था, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को कुचल दिया। हादसे में स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि स्कूटी चालक ने किसी तरह अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रभात मार्केट क्षेत्र में अक्सर भारी ट्रैफिक रहता है, इसके बावजूद नो एंट्री नियमों का पालन नहीं कराया जाता। लोगों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन से बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था मजबूत करने तथा नो एंट्री नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की

बाबा झण्डे शाह रह0 के सालाना उर्स में गूंजा सूफियाना रंग, डॉ. गुलाम मोहम्मद का हुआ जोरदार स्वागत

लोक तंत्र की शान

सम्भल। वार्ड नंबर 11 सालारपुर कलां क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पीपली रहमापुर (लालबेग मिलक) स्थित बाबा झण्डे शाह रह० के 23वें सालाना उर्स मुबारक के मौके पर आयोजित शानदार कव्वाली प्रोग्राम में भारी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। कार्यक्रम का माहौल सूफियाना रंग और आपसी भाईचारे से सराबोर नजर आया। इस भव्य कार्यक्रम का आगाज़ मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के संभावित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वार्ड नंबर 11 सालारपुर कलां सम्भल डॉ. गुलाम मोहम्मद ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने मेला कमेटी के सदस्यों को पगड़ी बांधकर सम्मानित भी किया, जिसकी क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है। डॉ. गुलाम मोहम्मद ने कहा कि उर्स और ऐसे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम हमारी गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी सौहार्द की पहचान हैं। उन्होंने क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह हमेशा क्षेत्र की खुशहाली, भाईचारे और विकास के लिए तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में मेला कमेटी के सदस्य नज़ारुल हसन क्षेत्र पंचायत सदस्य, अली खान ग्राम प्रधान, उमर प्रधान, साजिद खान प्रत्याशी ग्राम प्रधान, इस्लाम खान प्रत्याशी ग्राम प्रधान, हाजी अबरार, आरिफ ठेकेदार, फ़ाज़िल ठेकेदार, इस्तेकार ठेकेदार, मुनाज़िर ठेकेदार, रिहान ठेकेदार, सिकन्दर ठेकेदार, मुमताज़ हुसैन, जाने आलम, मिनज़ार हुसैन, नज़र हुसैन और फ़ज़्लू ठेकेदार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. गुलाम मोहम्मद का जगह-जगह गर्मजोशी से स्वागत किया गया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि डॉ. गुलाम मोहम्मद लगातार जनता के बीच रहकर सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है।

झील की जमीन पर बनी मजार पर चला बुलडोजर, प्रशासन ने कराया कब्जा खाली

» सिरसी में राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई, धारा 67 के तहत हुई बेदखली

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। सिरसी जनपद सम्भल में सरकारी जमीनों को अतिक्रमण से मुक्त कराने का अभियान लगातार जारी है। शनिवार को तहसील प्रशासन ने कस्बा सिरसी में स्थित शेर अली बाबा पीर की मजार पर कार्रवाई करते हुए उसे हटवा दिया। प्रशासन का दावा है कि जिस भूमि पर मजार बनी हुई थी, वह राजस्व अभिलेखों में झील के रूप में दर्ज सरकारी भूमि है। जानकारी के अनुसार गाटा संख्या 2212, रकबा 11.495 राजस्व रिकॉर्ड में झील दर्ज है। आरोप है कि इसी जमीन पर अवैध रूप से मजार का निर्माण कर लिया गया था। मामले को लेकर तहसीलदार न्यायालय में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के अंतर्गत बेदखली का मुकदमा चल रहा था। तहसीलदार धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि संबंधित मजार के मुतावल्ली का पहले ही निधन हो चुका था। इसके बाद राजस्व विभाग की ओर से लेखपाल द्वारा दोबारा वाद दाखिल किया गया। नियमानुसार नोटिस जारी किए गए, लेकिन किसी भी पक्ष की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। उन्होंने बताया कि सभी दस्तावेजों और राजस्व अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद न्यायालय ने बेदखली का आदेश पारित किया। आदेश मिलने के बाद शनिवार को प्रशासनिक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से निर्माण को हटाकर भूमि को कब्जामुक्त करा लिया गया।

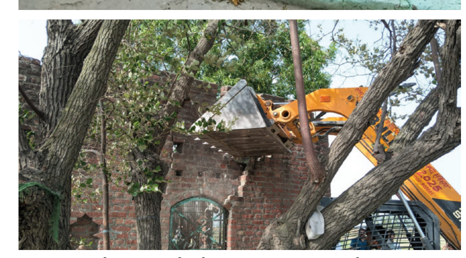

कलेक्ट्रेट में दिखी इंसानियत की मिसाल

» जनसुनवाई के दौरान डीएम ने बीमार बच्चे को भेजा अस्पताल, बेहोश व्यक्ति को खुद लेकर पहुंचे जिला अस्पताल

लोक तंत्र की शान

लोक तंत्र की शान (बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा)<बरेली कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन (जनसुनवाई) कार्यक्रम उस समय मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण बन गया, जब जिलाधिकारी ने फरियाद लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं को सिर्फ सुना ही नहीं, बल्कि तत्काल राहत और मदद पहुंचाकर प्रशासन की संवेदनशील छवि भी पेश की। जनसुनवाई के दौरान एक महिला अपने गंभीर रूप से बीमार बच्चे को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। महिला ने भावुक होकर बताया कि उसके बच्चे की दोनों किडनी खराब हैं और उसका इलाज शहर के चौकी चौराहे के पास स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ है और इसी उम्मीद में आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए कलेक्ट्रेट आई थी। महिला की पीड़ा सुनते ही जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लिया। उस दिन "नो व्हीकल डे" होने के बावजूद उन्होंने तत्काल बाहर से टैम्पो मंगवाकर महिला और उसके बच्चे को जिला अस्पताल भिजवाया। साथ ही संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चे का बेहतर और तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने महिला को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से इलाज में हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। जनसुनवाई के दौरान एक और घटना ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जिलाधिकारी कार्यालय में मिलने आए एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए स्वयं उस व्यक्ति को पानी पिलाने और होश में लाने का प्रयास किया। स्थिति गंभीर देखते हुए जिलाधिकारी ने बिना देर किए व्यक्ति को जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई। इतना ही नहीं, वह स्वयं भी उस व्यक्ति के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और वहां डॉक्टरों से स्वास्थ्य परीक्षण करवाया।

बरेली पुलिस में बड़ा फेरबदल

» SSP अनुराग आर्य का 'सर्जिकल स्ट्राइक', 11 इंस्पेक्टर-दरोगा इधर से उधर

» 49 दिन में ही हटे कोतवाली इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय, कई थानों की बदली तस्वीर

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक भूचाल देखने को मिला। अनुराग आर्य ने देर रात बड़ा फेरबदल करते हुए 11 निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के तबादले कर दिए। इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में "सर्जिकल स्ट्राइक" के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि कई अधिकारियों को बेहद कम समय में ही कुर्सी छोड़नी पड़ी। सबसे ज्यादा चर्चा शहर कोतवाली प्रभारी रहे धनंजय कुमार पांडेय के तबादले की हो रही है। 4 अप्रैल 2026 को उन्हें बारादरी थाने से शहर कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन महज 49 दिन बाद ही उन्हें हटाकर साइबर थाने भेज दिया गया। अब उनकी जगह भोजीपुरा थाना प्रभारी रहे राजीव कुमार सिंह को शहर कोतवाली की कमान दी गई है। पुलिस विभाग में इस अचानक हुए बदलाव को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। माना जा रहा है कि SSP अनुराग आर्य जिले में परफॉर्मेंस आधारित कार्यशैली लागू करना चाहते हैं, जहां लापरवाही और ढिलाई के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी जा रही।

नजीबाबाद चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म पहुंचे दरगाह ए आलिया नज़्फे हिंद जोगीपुरा

मौला अली के रोज़े पर पेश की चादर, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। इंजीनियर मुअज़्ज़म आज विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए आलिया नज़्फे हिंद जोगीपुरा पहुंचे, जहां दरगाह परिसर में आयोजित सलाना मजालिस ए अंजुमन में उन्होंने शिरकत की। इस दौरान उनके साथ शेरबाज़ पठान भी मौजूद रहे। दरगाह पहुंचने पर नजीबाबाद चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म एवं चांदपुर चेयरमैन शेरबाज़ पठान ने अंजुमन प्रबंधक सैय्यद शबाब हुसैन अली से मुलाकात कर मजालिस और दरगाह व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मौला अली के रोज़े पर पेश की चादर-इसके बाद इंजीनियर मुअज़्ज़म, शेरबाज़ पठान, जिला अध्यक्ष सतेंद्र सिंह, सहल खान, अजमल खान, नासिर कुरैशी, अनीस अहमद सहित अन्य लोगों ने सैय्यद शबाब हुसैन अली के साथ दरगाह परिसर में पहुंचकर मौला अली के रोज़े पर चादर पेश की।

जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म : भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए लगाया राहत कैंप

» समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रफीक अंसारी ठेकेदार की पहल की लोगों ने सराहना

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। भीषण गर्मी और तेज धूप से परेशान राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रफीक अंसारी ठेकेदार की ओर से नगर में राहत कैंप का आयोजन किया गया। "जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है" के संदेश के साथ आयोजित इस कैंप में राहगीरों को ठंडा पानी, शर्बत और अन्य राहत सामग्री वितरित की गई। राहगीरों को दी गई गर्मी से राहत रफ़ीक़ अंसारी की अगुवाई में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने सड़क से गुजरने वाले राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों और आम लोगों को रोककर ठंडा पानी एवं शर्बत पिलाया। भीषण गर्मी के बीच इस सेवा कार्य को लोगों ने काफी सराहा। कैंप के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों से गर्मी में सावधानी बरतने और अधिक से अधिक पानी पीने की अपील भी की।

"समाज सेवा ही असली राजनीति" — रफीक अंसारी- इस मौके पर रफीक अंसारी ने कहा कि जनता की सेवा करना ही उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाना एक इंसानी फर्ज है और समाजवादी पार्टी हमेशा जनहित के कार्यों में आगे रहती है। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर और राहगीरों की सेवा करना ही सबसे बड़ी इंसानियत है और भविष्य में भी इस तरह के जनसेवा कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद-राहत कैंप में सरदार त्रिलोचन सिंह सोबती, आसिफ मुत्तक़ी, हाजी यूनुस अंसारी, नईम अंसारी, मो. अरशद, अतीक अंसारी, आतिफ अंसारी, मो. रेय्यान सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

लोगों ने की पहल की प्रशंसा- स्थानीय लोगों ने इस जनसेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौर में इस तरह के राहत कैंप लोगों को बड़ी राहत देते हैं। राहगीरों ने समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए इस पहल को सराहनीय बताया।

संक्षिप्त समाचार

6 घंटे में चोरी का खुलासा, सामान मिला, सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची, पीछा कर 3 चोरों को पकड़ा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने चोरी की एक घटना का 6 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 3 चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के पास से चोरी का सारा सामान भी बरामद कर लिया है। यह घटना बेलसर थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, बेलसर थाना क्षेत्र में तीन चोर एक घर में चोरी करने के लिए घुसे थे। इसी दौरान डायल 112 की टीम को सूचना मिली कि चोर चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। हालांकि,

पुलिस के पहुंचने से पहले ही चोर घर से निकल चुके थे। इसके बाद बेलसर थाना पुलिस ने चोरों का पीछा किया और एक चोर को धर दबोचा। उसकी निशानदेही पर लीची के बगीचे में छिपे बाकी दो चोरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तीनों चोरों से पूछताछ के बाद लीची के बगान में छिपाकर रखा गया चोरी का सारा सामान भी बरामद कर लिया। लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि चोरों के पास से चोरी की दो बाइक, पीतल के बर्तन और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन चोरों से पूछताछ के बाद चोरी के कई अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। फिलहाल, सभी गिरफ्तार चोरों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या, 9 महीने पहले की थी लव मैरिज, ससुराल वाले फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में 2 दिन पहले नवविवाहिता की हत्या मामले में आज FIR दर्ज हो गया है। पुलिस ने पीट-पीटकर और जहर देकर मर्डर मामले में पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना बालिगांव थाना क्षेत्र के भूसाही गांव की है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय अमृता कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी नौ महीने पहले भूसाही निवासी प्रमोद पंडित के बेटे मनीष कुमार से हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार,

अमृता और मनीष ने प्रेम विवाह किया था। मृतका की बड़ी बहन ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही अमृता को उसके पति मनीष और सास द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, ससुराल वाले बुलेट मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। परिजनों ने बताया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने अमृता के मोबाइल फोन से उसके मायके वालों के सभी नंबर ब्लॉक कर दिए थे। इससे वे अमृता से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। परिजनों का आरोप है कि गुरुवार देर रात अमृता की पीट-पीटकर और जहर देकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बालिगांव थाने की पुलिस को दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया था।

प्रधानमंत्री 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी, 47 स्थानों पर होगा आयोजित

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 मई, 2026 को 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगा, जहां प्रधानमंत्री नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री की रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल है। रोजगार मेला शुरू होने के बाद से अब तक देश भर में आयोजित 18 मेलों के माध्यम से लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देश भर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें चयनित उम्मीदवार केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण करेंगे, जिनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग शामिल हैं। इसी क्रम में, हाजीपुर में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और स्थानीय सांसद चिराग पासवान नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। यह समारोह पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर के वैशाली रेल प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा।

खेत से 311 लीटर विदेशी शराब बरामद, 12 कार्टन में रखा था अलग-अलग ब्रांड का दारू, कारोबारी फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के गरौल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक खेत से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें 311 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। पुलिस को जानकारी मिली थी कि थाना क्षेत्र के सोंधो बासदेव गांव निवासी प्रमोद राय के खेत में बड़ी मात्रा में शराब छिपाई गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश

पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने छापेमारी कर मक्के के खेत से विभिन्न ब्रांडों के दर्जनों कार्टन शराब बरामद किए। हालांकि, छापेमारी के दौरान खेत मालिक और मुख्य आरोपी प्रमोद राय पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सके। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रमोद राय एक बड़ा शराब कारोबारी है और बड़े पैमाने पर शराब तस्करी में शामिल रहा है। गरौल थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

कुख्यात अपराधी पकड़ने गई पुलिस टीम पर पथराव, हमला कर दो अपराधी फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ। इस दौरान पथराव किया गया, जिसमें थाना की एक गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हमले का फायदा उठाकर दो अपराधी मौके से फरार हो गए। लालगंज थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि मानपुर गांव का कुख्यात अपराधी अभिनंदन अपने साथी राहुल के साथ अवैध हथियारों के साथ छिपा हुआ है। इसी सूचना पर पुलिस टीम देर रात मानपुर गांव पहुंची थी। ग्रामीणों ने पुलिस पर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस सादे लिबास में पहुंची थी और बिना इजाजत घर में घुसकर मारपीट करने लगी। महिलाओं ने पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट का आरोप भी लगाया है। लालगंज एसडीपीओ ने ग्रामीणों के आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। सीडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि लालगंज थाने को सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी अभिनंदन कुमार उर्फ बसवरिया अपने साथी राहुल कुमार के घर पर अवैध हथियारों के साथ मौजूद है। इसी सूचना पर लालगंज थाना अध्यक्ष अपनी टीम के साथ घेराबंदी करने पहुंचे थे। मंडल के अनुसार, इसी दौरान दोनों अपराधियों के परिजन और ग्रामीण 20 से 25 की संख्या में इकट्ठा हो गए और पुलिस कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस मौके का फायदा उठाकर दोनों अपराधी फरार हो गए और पुलिस टीम पर हमला किया गया। वैशाली पुलिस अधीक्षक को इसकी जानकारी दी गई, जिसके निर्देश पर एक टीम गठित कर अपराधियों के घरों में छापेमारी की गई। पुलिस पर पथराव करने के आरोप में मनोज राय, रमाशंकर कुमार, जयप्रकाश राय और श्रवण राय समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जिला एथलेटिक्स मीट 2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, मेडल की लगी झड़ी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। सहरसा स्टेडियम में आयोजित जिला एथलेटिक्स मीट-2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में मेडल अपने नाम किए। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रोशन सिंह धोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंडर-14 आयु वर्ग के ट्रायथलन A बालिका वर्ग में माही शर्मा प्रथम, वंदना कुमारी द्वितीय एवं वैष्णवी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बालक वर्ग में सुधीर कुमार प्रथम, सौरव कुमार द्वितीय एवं सौरव सुमन तृतीय स्थान पर रहे। ट्रायथलन B बालिका वर्ग में ख्याति कुमारी प्रथम, आसनी कुमारी द्वितीय एवं प्रज्ञा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि बालक वर्ग में मो. माज ने क्वालिफाई किया। ट्रायथलन C बालिका वर्ग में साक्षी कुमारी प्रथम, कोमल कुमारी द्वितीय एवं गोपी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में राजदीप कुमार प्रथम, पीयूष कुमार द्वितीय एवं अनश अख्तर तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-16 बालिका वर्ग में 600 मीटर दौड़ में अंकिता कुमारी प्रथम, नंदनी कुमारी द्वितीय एवं आंचल कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में श्वेता कुमारी प्रथम, प्रीति कुमारी द्वितीय एवं किरण कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। 60 मीटर दौड़ में अंकिता कुमारी प्रथम, नंदनी कुमारी द्वितीय एवं खुशी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। ऊंची कूद में भारतीय कुमारी प्रथम, समृद्धि कुमारी द्वितीय एवं पूजा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि गोला फेंक प्रतियोगिता में सुकर्म प्रवीण प्रथम, भारती कुमारी

द्वितीय एवं प्रीति कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। अंडर-16 बालक वर्ग में 60 मीटर दौड़ में अंकित आनंद प्रथम, मोहन कुमार द्वितीय एवं सौरव कुमार तृतीय स्थान पर रहे। ऊंची कूद में कुमार रवि प्रथम, आनंद झा द्वितीय एवं अर्जुन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 600 मीटर दौड़ में सागर कुमार प्रथम, गुलशन कुमार द्वितीय एवं सौरभ कुमार तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में आनंद कुमार झा प्रथम, कुमार रवि द्वितीय एवं मोहन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक में ध्रुव कुमार प्रथम, अंकित कुमार द्वितीय एवं सूरज कुमार तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-18 बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में अंजली कुमारी प्रथम, लक्ष्मी कुमारी द्वितीय एवं सोनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि 1000 मीटर दौड़ में अनु कुमारी प्रथम, नंदनी कुमारी द्वितीय एवं अर्चना कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं अंडर-18 बालक वर्ग में 400 मीटर दौड़ में चंदन कुमार सहनी प्रथम, मनीष कुमार द्वितीय एवं सत्यम कुमार ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे तथा 200 मीटर दौड़ में बबलू कुमार प्रथम, प्रियांशु कुमार द्वितीय एवं सुशील यादव तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव श्री अखिलेश कुमार टूटू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स संघ के कोषाध्यक्ष विप्लव रंजन समाजसेवी सिद्धार्थ कुमार सिद्धू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। तकनीकी पदाधिकारी के रूप में सैयद समी अहमद, रोहित राज, अरुण कुमार भारती, तुषार कात्यायन, चंद्रभूषण सिंह, स्वेता कुमारी, सूरज गुप्ता, सनी सिंह, चंद्रशेखर खान, मुन्ना एथलीट, हिमांशु यादव, रवि यादव, धर्मेंद्र नारायण सिंह, राज यादव, अंशु कुमारी एवं मुरली यादव सहित अन्य उपस्थित थे। सचिव रोशन सिंह धोनी ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता का समापन अगले दिन संध्या 3 बजे पारितोषिक वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को 10 से 13 जून तक पटना में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा।

पॉक्सो मामले में दोषी करार विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई गई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। सहरसा पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं सुदृढ़ चार्जशीट के आधार पर माननीय न्यायालय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम सह विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) श्री राकेश कुमार ने एक महत्वपूर्ण फैसले में आरोपी को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई है। यह मामला सहरसा सदर थाना कांड संख्या-982/24 (Spl. POCSO-94/24) दिनांक 17.09.2024 से संबंधित है। न्यायालय ने अभियुक्त मो० सिराज (पिता- स्व० मो० यूनुस, निवासी- वार्ड संख्या-04, थाना- विहार, जिला- सहरसा) को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। न्यायालय द्वारा धारा 75 बीएनएस के तहत दो वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपये का अर्थदंड दिया गया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर अतिरिक्त 6 माह का कारावास भुगतना होगा। वहीं धारा 8 पॉक्सो एक्ट के तहत चार वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जुर्माना नहीं देने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास होगा। इसके अतिरिक्त धारा 12 पॉक्सो एक्ट के तहत दो

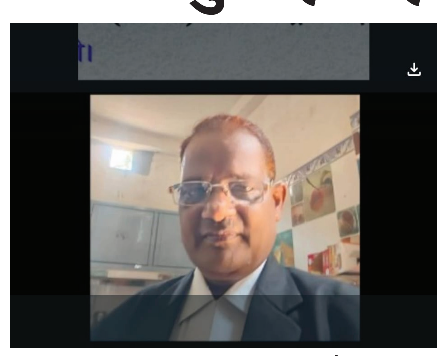

वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है, जुर्माना नहीं देने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) श्री शिवेन्द्र प्रसाद ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा, जबकि अनुसंधानकर्ता के रूप में पुअनि पूनम कुमारी की भूमिका सराहनीय रही। सहरसा पुलिस ने इस निर्णय को न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिससे समाज में अपराध के प्रति सख्त संदेश जाएगा।

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज में दो पदों पर नियुक्ति, संगठन को मजबूत करने पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज (गैर राजनीतिक संस्था) द्वारा संगठन विस्तार के तहत दो महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। संस्था के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजस्थान में जिला एवं प्रदेश स्तर पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी नियुक्ति-पत्र के अनुसार, मोहम्मद मंसूरी (पिता- लाल मोहम्मद, निवासी प्रतापगढ़, राजस्थान) को जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पद पर मनोनीत किया गया है। वहीं मोहम्मद असलम (पिता- अफजल खान, निवासी कोटा, राजस्थान) को जिला उपाध्यक्ष, कोटा (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, मीडिया प्रभारी) पद की जिम्मेदारी दी गई है। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) जैफ खां मंसूरी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि दोनों पदाधिकारियों से

संगठन की नीतियों के प्रचार-प्रसार और मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई है। साथ ही उन्हें समाज के लोगों को जोड़ने और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने का दायित्व सौंपा गया है। संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि नव-नियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

मंसूरी समाज और पसमांदा समाज की बैठक संपन्न

महावीर मंदिर तैयार कर रहा 1000 किलो चने का सतू

लोकतंत्र की शान , पटना

नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित होने वाली है। इसे लेकर बड़ी संख्या में छात्र पटना जंक्शन पहुंचेंगे और वहीं से परीक्षा केंद्र पर जाएंगे। गर्मी को देखते हुए महावीर मंदिर की ओर से 1000 किलो चना के सतू का शर्बत तैयार किया जाएगा। सतू का शर्बत पिलाने की व्यवस्था मंदिर के आसपास की जाएगी। नैवेद्यम लड्डू के प्रभारी आर शेषाद्री की देखरेख में व्यवस्था होनी है।

महावीर मंदिर सेवा कार्यों के लिए जाना जाता महावीर मंदिर: श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि महावीर मंदिर सेवामूलक कार्यों के लिए जाना जाता है। चाहे अयोध्या का राम रसोई हो या सीतामढ़ी का सीता रसोई हो या फिर चाहे महावीर मंदिर का दरिद्र नारायण भोजन हो। अब महावीर मंदिर की ओर से नीट परीक्षार्थियों के लिए सतू का शर्बत की पिलाने की व्यवस्था की जा रही है।

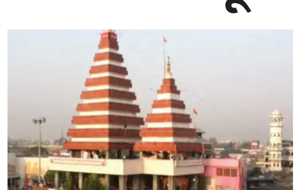

❑ गर्मी से राहत के लिए नीट परीक्षार्थियों को पिलाया जाएगा शर्बत, मंदिर के आसपास होगी व्यवस्था

महावीर मंदिर का मानना है कि नीट परीक्षार्थी विभिन्न जगहों से गर्मी में आएंगे। ठंडा सतू का शर्बत पिलाकर उन्हें गर्मी से राहत दिलाने की कोशिश की जाएगी। जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिले और वे परीक्षा केंद्र में एकाग्रचित होकर परीक्षा दे सकें। 3 मई को NEET-UG-2026 की परीक्षा हुई। पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

13 करोड़ की सिंचाई योजना का शिलान्यास डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने किया कार्यरिंभ

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल स्थित कल्याणपुर गांव में सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पाइपलाइन योजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना जल संसाधन विभाग बिहार के अंतर्गत करीब 12.34 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन कल्याणपुर गांव के माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया गया, जहां विभागीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान और स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा से होगी सिंचाई: उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित होगी। इसका उद्देश्य

किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार हो सके। योजना के तहत पालीगंज डोरवा नहर से सौर ऊर्जा के जरिए पानी निकाला जाएगा और उसे तालाबों में संग्रहित किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से करीब 1 से 2 किलोमीटर तक लगभग 300 एकड़ भूमि की सिंचाई की जा सकेगी।

कल्याणपुर से हुई शुरुआत: इस योजना की शुरुआत फिलहाल कल्याणपुर गांव से की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने संबंधित एजेंसी को निर्देश दिया कि योजना को गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, ताकि यह अन्य क्षेत्रों के लिए मॉडल बन सके।

♦ 300 एकड़ भूमि पर सिंचाई की मिलेगी सुविधा

पूरे बिहार में लागू करने की तैयारी: विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यदि यह परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में इसे बिहार के अन्य जिलों, पंचायतों और प्रखंडों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं से राहत दिलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना की परिकल्पना पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में की गई थी और अब इसे लागू किया जा रहा है।

हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास, 25 हजार जुर्माना भी लगाया गया

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। सहरसा पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर माननीय न्यायालय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ श्री अविनाश कुमार ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए हत्या के एक पुराने मामले में आरोपी को दोषी करार दिया है। यह मामला सिमरी बख्तियारपुर थाना कांड संख्या-65/2013 (ST-218/13) दिनांक 20.03.2013 से संबंधित है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 302/201/34 के तहत अभियोजन चलाया गया था। न्यायालय ने अभियुक्त कृष्ण कुमार सिंह उर्फ संतोष सिंह, पिता- दशरथ सिंह, निवासी

अपर लोक अभियोजक
श्री हरिशेखर मिश्र एवं श्री अरूण कुमार राम

ऐनी, थाना- बलवाहाट ओपी (सिमरी बख्तियारपुर), जिला- सहरसा को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने 25,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को अतिरिक्त 6 माह का कारावास भुगतना होगा। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक श्री हरिशंकर मिश्रा एवं श्री अरुण कुमार राम ने प्रभावी रूप से पक्ष रखा, जिसके परिणामस्वरूप न्यायालय ने यह सख्त फैसला सुनाया। सहरसा पुलिस ने इस फैसले को न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिससे अपराधियों में कानून का भय बढ़ेगा।

ज्ञान भारतम् मिशन के तहत सहरसा में पाण्डुलिपि सर्वेक्षण तेज, प्राचीन धरोहरों का हो रहा संरक्षण

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता , सहरसा। सरकार के ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत सहरसा जिले में पाण्डुलिपि सर्वेक्षण कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। इस अभियान को आदरणीय जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में नवहट्टा प्रखंड के एकाढ़ गांव निवासी विद्वान श्री बिमल कांत झा के आवास पर पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण एवं अवलोकन किया गया। यह सर्वेक्षण जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ, जिसमें उग्रतारा भारती-मंडन संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नन्दकिशोर चौधरी की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। सर्वेक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण एवं प्राचीन पाण्डुलिपियों का अध्ययन किया गया। इनमें पारंपरिक ज्ञान, संस्कृति और शास्त्रीय विषयों से जुड़ी दुर्लभ सामग्री सुरक्षित पाई गई, जो मिथिला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक परंपरा का सशक्त प्रमाण है। ज्ञान भारतम् मिशन का मुख्य उद्देश्य देशभर में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों का संरक्षण, प्रलेखन और संवर्धन करना है, ताकि भारतीय

ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके। जिला प्रशासन, सहरसा ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास भी कोई प्राचीन एवं महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियां हैं, तो वे उनके सर्वेक्षण हेतु प्रशासन को सहयोग प्रदान करें, जिससे इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा सके।

बेटे ने 5 हजार रुपये की सुपारी देकर कराई पिता की हत्या

» मझौली पुलिस ने 10 आरोपियों को किया गिरफ्तार
» एसपी ने किया अंधी हत्या का सनसनीखेज खुलासा

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के थाना मझौली पुलिस द्वारा अंधी हत्या के जघन्य प्रकरण का पर्दाफाश करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने मझौली थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बेटे ने 5 हजार रुपये की सुपारी देकर पिता की हत्या कराई थी। पुलिस के अनुसार दिनांक 19 मई 2026 को फरियादी रघुवर अगरिया पिता रामावतार अगरिया उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम बरमानी थाना मझौली द्वारा सूचना दी गई कि उसके बड़े भाई राजभान अगरिया दिनांक 16 मई 2026 की रात्रि से लापता हैं। तलाश के दौरान ग्राम करमाई पड़ोहर टोला के जंगल स्थित सूखे कुएं से दुर्गंध आने पर अंदर जला हुआ शव दिखाई दिया। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी मझौली पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे एवं वरिष्ठ अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी स्वयं घटनास्थल पहुंचे, मौके का निरीक्षण किया तथा मृतक के परिजनों से पूछताछ कर थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी मझौली द्वारा एफएसएल एवं फिंगरप्रिंट एवं अन्य विशेषज्ञ टीमों को मौके पर बुलवाकर घटनास्थल से आवश्यक वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य एकत्रित कराए गए। मौके पर कुएं के अंदर एक जला हुआ शव कंकाल अवस्था में मिला। शव के सिर पर कपड़ा बंधा हुआ था तथा शव को झाड़ियों से छिपाने का प्रयास किया गया था। मृतक की पहचान राजभान अगरिया पिता रामावतार अगरिया उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम करमाई पड़ोहर टोला थाना मझौली जिला सीधी के रूप में हुई। शव परीक्षण रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोटए फ्रैक्चर एवं जलाने के साक्ष्य पाए गए, जिससे हत्या की पुष्टि हुई। थाना मझौली में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण के खुलासे में थाना प्रभारी मझौली उनि विशाल शर्मा, उनि पीएल टांडिया, सउनि संतोष साकेत, प्रआर विजय, रामनरेश, शंकर, राजीव, अनूप, राजकुमार, नितेश, आरक्षक जितेंद्र, आशुतोष, संजय, अक्षय, प्रभात, बृजकिशोर, राजकुमार एफएसएल टीम, फिंगरप्रिंट टीम, सायबर सेल से कृष्ण मुरारी द्विवेदी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही, जिनके सतत प्रयासों एवं सूक्ष्म विवेचना के परिणामस्वरूप अंधी हत्या का सफल खुलासा संभव हो सका।

लाखों की सड़क का गुणवत्ताविहीन हो रहा निर्माण

» पोंड़ी से गेंदुरा पहुंच मार्ग का हाल

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत लाखों के बजट से गुणवत्ताविहीन सड़क का निर्माण कार्य आनन-फानन में कराने की औपचारिकता निभाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पोंड़ी से गेंदुरा पहुंच मार्ग के लिए करीब 17 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है। सड़क निर्माण में गुणवत्ता को पूरी तरह से हासिए पर रखकर कार्य किया जा रहा है। काम को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। सड़क के किनारे नाली का निर्माण भी किया जा रहा है। नाली के निर्माण में निर्धारित सभी मापदंडों की अनदेखी की जा रही है। ऐसा आभाष होता है कि निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा बजट को केवल ठिकाने लगाने का काम ही किया जा रहा है। जिस तरह से सड़क और नाली का निर्माण हो रहा है उससे तो यही आभाष एक ही बरसात में सड़क और नाली का वजूद खत्म हो जाएगा। लाखों की लागत से बन रही सड़क और नाली के निर्माण में सामग्री क्या लग रही है और उसकी क्वालिटी कैसी है इसको देखने के लिए इंजीनियर भी नहीं पहुंच रहे हैं। सबकुछ निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत के हवाले कर दिया गया है। इसी वजह से निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने में औपचारिकता निभाई जा रही है।

घर में लगी आग, तीन अबोध बच्चे जिंदा जले

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पडखुरी कसिहवा में आज शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। बिजली के शॉर्ट सर्किट से एक कच्चे घर में भीषण आग लग गई जिससे पूरा मकान जलकर खाक हो गया। हादसे में घर के अंदर मौजूद तीन अबोध बच्चों की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

मृतकों की पहचान रिद्धि साकेत 06 वर्ष, संध्या साकेत 1.5 वर्ष एवं नागेंद्र साकेत 04 वर्ष पिता रामरतन साकेत के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार बच्चों के पिता रामरतन साकेत 37 वर्ष पड़ोस में सुबह मजदूरी करने गये थे और मां ललिता साकेत उन्हें घर के अंदर छोड़कर उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न लेने गई हुई थी। इसी दौरान अचानक घर में शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने और बच्चों को बचाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि कोई भी अंदर नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गयाए हालांकि तब तक घर के भीतर मौजूद तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। आगजनी की जानकारी मिलते ही मौके पर जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए है। पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय स्थित मर्चुरी लाया गया जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा पीएम किया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय शिमला द्वारा रिटेल क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र की शानः राजेंद्र करनालः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय शिमला द्वारा दिनांक 22 मई 2026 को पंथाघाटी, शिमला में रिटेल क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंकित बरवाल द्वारा की गई। इस अवसर पर स्थानीय व्यापार एवं व्यवसाय जगत से जुड़े गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें श्री मनीष मेहता,होटल ग्रैंड मधुशाला के मालिक एवं श्री विदित जैन, प्रतिष्ठित व्यवसायी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों एवं स्थानीय नागरिकों को बैंक की विभिन्न रिटेल ऋण योजनाओं जैसे गृह ऋण, वाहन ऋण एवं अन्य बैंकिंग सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित लोगों ने बैंक की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं एवं सरल ऋण प्रक्रिया की सराहना की। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में "तारादेवी एन्क्लेव, शिमला" के साथ बिल्डर टाई-अप भी मौके पर संपन्न किया गया, जिससे क्षेत्र के ग्राहकों को आवासीय ऋण सुविधाओं का लाभ और अधिक सरलता से प्राप्त हो सकेगा। क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंकित बरवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित एवं सहज बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा ऐसे आउटरीच कार्यक्रम बैंक एवं ग्राहकों के बीच विश्वास को और सुदृढ़ बनाते हैं। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधकों, बैंक अधिकारियों, स्थानीय उद्यमियों एवं बड़ी संख्या में ग्राहकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

वन संपत्ति चोरी करने वाले द्वारा अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेशः कटनीपुलिसअधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्ग दर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया व एसडीओपी श्रीमति आंकाक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन मे थाना प्रभारी ढीमरखेडा अभिषेक चौबे के नेतृत्व में ग्राम खिरवा पोडी वन कक्ष पीएफ 297 एनपीबी में लगे फेंसिग जाली चोरी करने वाले चार चोरो को गिरफतार कर जेल भेजा गया। घटना का सक्षिप्त विवरण दिनांक 21.05.26 को प्रार्थी रामकुशल पिता स्व. देवीदीन मिश्रा उम्र 54 साल निवासी ग्राम रामपुर थाना ढीमरखेडा स्थाई पता वार्ड नं. 17 खितौला थाना खितौला जिला जबलपुर थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि

दिनांक 21.05.26 के रात 01 बजे करीब बीट में पदस्थ बीट प्रभारी अंकित गौतम वनरक्षक द्वारा सूचना मिली की खिरवा पोडी के वन कक्ष पीएफ 297 एनपीबी वृक्षारोपण में लगी फेंसिग जाली को कुछ व्यक्तियों द्वारा निकाल कर चोरी किया जा रहा है जो सूचना पर पुलिस टीम एवं वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर प्रदीप पिता कुंवरलाल यादव उम्र 27 साल, उमाकांत पिता रामगुलाम यादव उम्र 31 साल, राजकुमार पिता महेश यादव उम्र 35 साल एंव सुरेश प्रसाद पिता रामप्रसाद यादव उम्र 52 साल सभी निवासी खिरवा पोडी के कब्जे से फेंसिग जाली दो बडंल किमती 10000 एंव दो मोटर सायकिल किमती 55000/- जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

पुलिस कार्यवाही मे विषेष भूमिका - उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरी. अभिषेक चौबे उनि सुरेश चौधरी, आर. कमोद कोल, आर. अजय धुर्वे का विशेष योगदान रहा।

चार दुकानों में खाद्य पदार्थों के लिए गए सेंपल,

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। जिला स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश लोधी द्वारा शहर के चार प्रतिष्ठानों में पहुंचकर जांच कार्रवाई की गई। अपमिश्रित की आशंका में खाद्य पदार्थों के सेंपल लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा 21 मई को हरिओम ट्रेडर्स मिश्रा कॉलोनी सीधी मार्ग से बिस्किट, चीनी, गुड़, छुहाड़ा के सेंपल लिए गए।

वहीं 22 मई को किशोर ट्रेडर्स सब्जी मंडी सीधी से आम, अनार व सेव के सेंपल लिए गए। आज 23 मई को गुरुकृपा फूरट्स सब्जी मंडी सीधी से बादाम आम, दशहरी आम व अनार एवं गौरव फूरट्स कंपनी सब्जी मंडी सीधी से आम, अनार व केला के सेंपल लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तीन दिनों में 13 नमूने सेंपल प्रयोगशाला जांच के लिए लिए गए हैं। प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अमरोहा में भाजपा सरकार के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा = शनिवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, यह प्रदर्शन महंगाई, बेरोजगारी, और पेपर लीक जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर कलेक्ट परिसर में आयोजित किया गया, सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी नेता भी शामिल रहे, इस

दौरान कार्यकर्ताओं के हाथ में बैनर और झंडा थे जिन पर भाजपा सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए संदेश लिखे थे, प्रदर्शन में पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर, सदर विधायक महबूब अली, नौगांव सादात से विधायक समरपाल सिंह तथा गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी मुख्य रूप से मौजूद रहे, ज्ञापन से पूर्व नेताओं ने महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा, कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि पेट्रोल डीजल और घरेलू गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है जिससे गरीबो को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वही युवाओं और रोजगार के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया, साथ ही पेपर लीक मामले पर सरकार को घेरा, इस मौके पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कमाल अख्तर, महबूब अली, समर पाल सिंह आदि ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, इस दौरान भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

नगर के प्राइवेट अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर गिरने से मासूम की मौत

» कृष्णा नर्सिंग होम में कथित लापरवाही पर फूटा गुस्सा, परिजनों का हंगामा, अस्पताल सील करने की मांग
» चार वर्षीय मासूम मोहम्मद अज़ान की दर्दनाक मौत से इलाके में शोक की लहर

लोकतंत्र कि शानः खिज़र अहमद : नजीबाबाद। नगर के स्टेशन रोड स्थित कृष्णा नर्सिंग होम में कथित लापरवाही के चलते चार वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए अस्पताल को सील किए जाने की मांग उठाई।

दवाई दिलाने आया था परिवार, खेलते-खेलते हादसे का शिकार हुआ मासूम- जानकारी के अनुसार मोहल्ला पठानपुरा चारबाग निवासी फैजान पुत्र मोहम्मद यूनुस शनिवार को अपने छोटे पुत्र की दवाई दिलाने के लिए कृष्णा नर्सिंग होम पहुंचे थे। उनके साथ चार वर्षीय पुत्र मोहम्मद अज़ान भी मौजूद था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान खेलते-खेलते मासूम अस्पताल परिसर के बाहर की ओर चला गया, जहां जमीन पर असुरक्षित तरीके से रखे गए कई

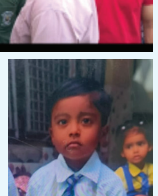

ऑक्सीजन सिलेंडरों में से एक सिलेंडर अचानक बच्चे के सिर पर गिर पड़ा। सिलेंडर गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। परिजन तत्काल उसे अस्पताल के अंदर लेकर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि वहां मौजूद डॉक्टर ने बच्चे को देखने के बजाय दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कही।

एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक भटकते रहे परिजन- परिजनों के अनुसार घायल बच्चे को पहले पूजा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए उसे तुरंत लाइफ लाइन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मासूम मोहम्मद अज़ान को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे इलाके में घटना को लेकर शोक और आक्रोश का माहौल बन गया।

लंबित राजस्व वादों में देरी पर तय होगी अधिकारियों की जवाबदेहीः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शानः लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि राजस्व मामलों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि और राजस्व से जुड़े विवाद आमजन के जीवन, किसान हितों और सामाजिक सौहार्द से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा के बाद भी लंबित रहने वाले मामलों में संबंधित अधिकारियों और कार्मिकों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शनिवार को राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक आधारित व्यवस्था, जवाबदेही और समयबद्ध कार्यप्रणाली के माध्यम से राजस्व न्यायालयों की कार्यक्षमता को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि आम नागरिक को शीघ्र न्याय मिल सके।

किसानों और उपभोक्ताओं को राहत की तैयारी

नोखा चांदावता में निर्माणाधीन 132 केवी जीएसएस का विधायक डांगा ने लिया जायजा

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोड : क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में तेजी से चल रहे विकास कार्यों के तहत निकटवर्ती गांव नोखा चांदावता में निर्माणाधीन 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस) का शनिवार को विधायक रेवंत राम डांगा ने औचक निरीक्षण किया। विधायक ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा का विस्तार से जायजा लिया तथा अधिकारियों और ठेकेदारों को कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे विधायक डांगा अचानक निर्माण स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने जीएसएस परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चांदावत ने विधायक को जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से बेहतर बिजली आपूर्ति की मांग उठ रही थी। किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय पर्याप्त तीन फेज बिजली उपलब्ध कराने तथा आम उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत सप्लाई देने के उद्देश्य से इस 132 केवी जीएसएस का निर्माण कराया जा रहा है। विधायक डांगा ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और निर्धारित समयावधि में जीएसएस को पूर्ण कर आमजन को इसका लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी तथा बिजली संबंधी समस्याओं में काफी हद तक राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से तकनीकी पहलुओं की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है और बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकता में शामिल है। इस अवसर पर सुभाष कटारिया, सुगन सिंह भाटी, राजू सिंह चांदावत, दौलत सिंह चांदावत, मानवेंद्र सिंह चांदावत, ओमप्रकाश देवासी, प्रहलाद सिंह कच्छावा, रामपाल कमेडिया, लाइनमैन अर्जुन सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

आरटीआई से मिलती है अपठनीय जानकारी , पीएचई विभाग में मनमानी का आलम

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सीधी की मनमानी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस विभाग में सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 को मजाक बनाकर रख दिया गया है। सीताराम तिवारी निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सीधी ने कहा है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में नियमानुसार सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आवेदन दिया गया था। मांगी गई जानकारी के एवज में 278 रुपए शुल्क भी जमा किया गया था। काफी हालाहवाली के बाद वहां से जो जानकारी उपलब्ध कराई गई है वह पूरी तरह से अपठनीय है। ऐसे में जानकारी देने का कोई औचित्य ही नहीं रह जाता है। इस पर कार्यपालन यंत्री पीएचई को उनके द्वारा 26 मार्च 2026 को आवेदन देकर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की गई है। जिससे उसे पढ़ा जा सके।

महिलाओं की पुकार सुन लीजिए साहब... बराखुर्द की शिकायतों पर आखिर कब टूटेगी संरक्षण की दीवार?

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मैहर। मैहर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बराखुर्द की महिलाएं बड़ी उम्मीद लेकर कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंची थीं। हाथों में शिकायत, आंखों में उम्मीद और मन में भरोसा था कि शायद अब पंचायत में हो रही कथित अनियमितताओं और लापरवाही पर कार्रवाई होगी। लेकिन करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी जब कोई निष्पक्ष जांच या ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई, तो महिलाओं की उम्मीद अब निराशा में बदलती दिखाई दे रही है।सूत्र बताते हैं कि पंचायत सचिव के बचाव में जनपद सीईओ ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। क्षेत्र में चर्चा है कि सचिव को कथित तौर पर यह भरोसा तक दिलाया गया है—कितना भी भ्रष्टाचार करो, जब तक मैं हूं कुछ नहीं होने दूंगा। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जनसुनवाई के बाद भी कार्रवाई न होना लोगों के बीच कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि वे कलेक्टर की जनसुनवाई में इसलिए गई थीं क्योंकि उन्हें लगा था कि जिला स्तर पर उनकी आवाज सुनी जाएगी। लेकिन अब महिलाएं खुद सवाल उठा रही हैं कि अगर जनसुनवाई में जाने के बाद भी निष्पक्ष जांच नहीं होती, तो आखिर आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे?बराखुर्द पंचायत पहले भी निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं, अधूरे काम और शासकीय राशि के दुरुपयोग के आरोपों को लेकर चर्चा में रही है। महिलाओं का आरोप है कि शिकायतों को गंभीरता से लेने के बजाय लगातार दबाने की कोशिश की जा रही है। यही कारण है कि गांव में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।सबसे बड़ा सवाल अब यही है—क्या जनपद स्तर पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी पंचायत सचिव की ढाल बने रहेंगे? क्या महिलाओं की शिकायतें सिर्फ फाइलों में दबाकर बंद कर दी जाएंगी? या फिर कभी ऐसा भी होगा जब बराखुर्द पंचायत के मामलों की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाएगी?गांव की महिलाएं अब खुलकर कह रही हैं—अगर कलेक्टर की जनसुनवाई में जाने के बाद भी न्याय नहीं मिलता, तो फिर आम आदमी जाए तो जाए कहां?

संस्कृति और शौर्य का संगमः वीरवर राव चांदा जी मेड़तिया की 521वीं जयंती पर जुटे मेवाड़—मारवाड़ के जनप्रतिनिधि

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोडः नागौर जिले की मेड़ता तहसील के मेड़ता रोड के निकटवर्ती ग्राम कूम्पड़ास में वीरवर राव चांदा जी मेड़तिया की 521वीं जयंती समारोह श्रद्धा, गौरव और ऐतिहासिक चेतना के साथ मनाया गया। समारोह में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ एवं नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने विशेष मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर वीरवर राव चांदा जी मेड़तिया को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि यह अत्यंत गौरव का विषय है कि समाज के युवा अपनी ऐतिहासिक धरोहर और संस्कृति को जीवित रखने के लिए ऐसे भव्य आयोजनों का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को आधुनिक तकनीक, शिक्षा और नई सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों, परंपराओं और इतिहास से जुड़ाव बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। आधुनिकता और संस्कृति का संतुलन ही समाज को सशक्त और संगठित बनाएगा। राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि एआई और तकनीकी युग में युवा पीढ़ी तेजी से बदलते परिवेश का हिस्सा बन रही है, ऐसे में अपनी संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली विरासत को संजोकर रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के संघर्ष, शौर्य और त्याग से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने वीरवर राव चांदा जी मेड़तिया के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, मेड़ता विधायक लक्ष्मणाराम कलरू, खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा तथा मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह के दौरान समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक गौरव और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण का संदेश भी प्रभावी रूप से देखने को मिला।

पैशनर्स कर्मचारी रखें स्वास्थ्य का ध्यान बढ़ती उम्र में लगती है कई बीमारी डॉक्टर हरजो

लोकतंत्र की शानः राजेंद्र करनाल

हरियाणा सिविल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष SL दुरेजा ने जहां सभी रिटायर्ड पद अधिकारी एवं कर्मचारियों की मांगों को संगठन के माध्यम हरियाणा सरकार में उठाने की मांग रखी वहीं एक सेमिनार के दौरान आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान शाह हॉस्पिटल के विशेषज्ञ हृदय रोग डॉक्टर हरजो शाह ने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ हमारे शरीर में अनेक बीमारियां घेर लेती हैं जिसके लिए हमें जागरूक रहना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा जागरूक रहे और समय-समय पर डॉक्टरों की राय तथा चेक अप करा लेना चाहिए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरजो शाह ने कहा कि दिल खराब होने के चार मुख्य कारण होते हैं जिसमें बीपी शुगर हाई रहना सिगरेट गुटका शराब तला हुआ खाना नींद पूरी ना होना टेंशन रहना यह भयंकर बीमारी किसी भी व्यक्ति को चपेट में ले लेती है जिससे हमें कई बार अटैक का खतरा बना रहता है इसलिए हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए उनका कहना था की छाती के बीच भारीपन सांस का फूलना चक्कर आना यह अनेक बीमारी के ऐसे लक्षण हैं जिसे समय पर पेंशनर्स कर्मचारियों को चेकअप करते रहना चाहिए उन्होंने कहा हमारा स्वस्थ्य जीवन ही हमारे शरीर को सुचारू रूप से अच्छा और तेज फुर्तीला बना सकता है डॉक्टर अनमोल अहलूवालिया ने सेमिनार के बीच सभी पेंशनर्स कर्मचारियों से अनुरोध किया और कहा बढ़ती उम्र पर खाने- का विशेष ध्यान रखना जीवन की सुरक्षा और उसकी भागीदारी को संपूर्ण बनता है उन्होंने कहा महिला या पुरुष कोई भी हो हर व्यक्ति को अपना समय पर चेकअप कराना चाहिए इस मौके पर डॉक्टर सज्जन सहगल ने पेंशनर कर्मचारियों को जानकारी देते कहा कि यूरोलॉजिस्ट किडनी पथरी दर्द सूजन पेशाब में जलन रुक-रुक कर पेशाब आना प्रोटेस्ट का बढ़ना यह हमारी बीमारी को संकेत देने का कार्य करते हैं इसलिए समय पर प्रत्येक कर्मचारी को चेकअप कराते रहना चाहिए डॉ, अनमोल अहलूवालिया एवं जनरल मैनेजर हरजीत सिंह ने सभी पेंशनर्स कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया कार्यक्रम के दौरान हरियाणा सिविल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव सुभाष यादव ने संचालन करते हुए सभी रिटायर्ड पेंशनर्स कर्मचारियों का दिल से आभार जताया और इस मौके पर पैशनर्स संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष SL दुरेजा ने संगठन के प्रति सभी कर्मचारियों का दिल से धन्यवाद प्रकट किया वहीं अप्रैल मई में सभी लोगों को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी सेमिनार में लगभग 200 रिटायर पेंशनर्स पदाधिकारी एवं कर्मचारी मैं भाग लिया

संक्षिप्त समाचार

यूएमएल पार्टी पदाधिकारियों ने मांगा अध्यक्ष के पी शर्मा ओली का इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (नेकपा-एमाले) में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व को अब खुल कर नकारा जा रहा है और पार्टी के बड़े पदाधिकारियों ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग की है। शनिवार को पार्टी की एक संगठनात्मक बैठक के दौरान कई बड़े अधिकारियों ने अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से इस्तीफे की मांग की। बताया गया है कि नेकपा-एमाले पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में चार बड़े पदाधिकारियों ने ओली को पद छोड़ने की सलाह दी है। यह पहली बार है जब ओली से पार्टी पदाधिकारी और उनके करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की खुलकर मांग उठाई। नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद और चुनाव परिणाम आने के बाद से छिटपुट तरीके से उनके इस्तीफे की मांग की जाती रही है। बताया गया है कि गत 5 मार्च के चुनाव के बाद ओली निवास में शुक्रवार से शुरू हुई पदाधिकारियों की बैठक के दूसरे दिन शनिवार को उपाध्यक्ष राम बहादुर थापा, विष्णु पौडेल, महासचिव शंकर पोखरेल और पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा उठाते हुए ओली से इस्तीफे की मांग की। पार्टी के 11वें महाधिवेशन में ओली का मजबूती से समर्थन करने वाले इन नेताओं ने कहा कि अब एमाले को नए नेतृत्व की दिशा की आवश्यकता है। बैठक के दौरान पौडेल ने नेतृत्व पदों के लिए आयु सीमा और दो कार्यकाल की व्यवस्था हटाने के पार्टी निर्णय पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा नेतृत्व शैली के तहत पार्टी आगे नहीं बढ़ सकती। पौडेल ने कहा, "पार्टी इस तरह नहीं चल सकती। नेतृत्व सहित हम सभी को खुद को सुधारना होगा, अन्यथा पार्टी पतन की ओर बढ़ेगी।" उन्होंने यह भी कहा कि 21 फरवरी के चुनाव और 8 तथा 9 सितंबर 2025 के प्रदर्शनों के बाद नेपाल की राजनीतिक परिस्थितियां काफी बदल चुकी हैं और एमाले पुरानी कार्यशैली के साथ आगे नहीं बढ़ सकती। इसी तरह गुरुङ ने कहा कि एमाले किसी की निजी कंपनी नहीं है और ओली अनिश्चितकाल तक अध्यक्ष पद पर नहीं बने रह सकते। गुरुङ की इस टिप्पणी से ओली स्पष्ट रूप से नाराज हो गए, जिसके बाद बैठक में दोनों नेताओं के बीच तनावपूर्ण बहस हुई।

नेपाली सेना के अवकाशप्राप्त जनरलों का सम्मेलन

काठमांडू। नेपाली सेना के मुख्यालय में सेवानिवृत्त सेना के जनरल के साथ अन्तरक्रिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेपाली सेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक शनिवार को सम्पन्न इस अन्तरक्रिया कार्यक्रम में नेपाली सेना के स्थापना काल से निभा रही जिम्मेदारियों, महत्वपूर्ण कार्यों तथा कल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े समसामयिक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर नेपाली सेना प्रधान सेनापति जनरल अशोक राज सिग्देल ने कहा कि नेपाली सेना के समयानुकूल आधुनिकीकरण और क्षमता विकास के लिए राष्ट्र एवं संस्था के प्रति समर्पित वरिष्ठ नेतृत्व से लगातार प्रेरणा मिलते रहने पर उनके अमूल्य योगदान के प्रति उच्च सम्मान व्यक्त किया। नेपाली सेना ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के बीच निरंतर संबंध बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही प्राप्त राय और सुझाव राष्ट्रीय दायित्वों को आत्मसात करते हुए समग्र रूप से राष्ट्रीय हितों की रक्षा में सहायक सिद्ध होंगे।

भारतीय भाषाएं राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना की आधारशिला : श्रीनिवास वरखेड़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि भारत की भाषाएं केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा की आधारशिला हैं। भारतीय भाषाओं को सशक्त करना ही भारत की आत्मा को सशक्त करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय भाषाओं को शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है तथा सीबीएसई का त्रिभाषा सूत्र (आर-3) उसी दूरदर्शी सोच का व्यावहारिक स्वरूप है। प्रो. वरखेड़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जो विद्यार्थी प्रारंभिक कक्षाओं से भारतीय भाषाओं का अध्ययन करते आए हैं, उन्हें माध्यमिक स्तर पर भी भाषाई निरंतरता का अवसर मिलना चाहिए। मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में शिक्षा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता को मजबूत करती है। भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और इसका संरक्षण तथा संवर्धन सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कक्षा 9 से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा त्रिभाषा सूत्र लागू किए जाने के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में दायर जनहित याचिका के बाद देशभर में भारतीय भाषाओं, सांस्कृतिक पहचान और शिक्षा नीति को लेकर व्यापक बहस शुरू हो गई है। शिक्षाविदों, भाषाविदों और भारतीय भाषाओं के समर्थकों ने इसे केवल पाठ्यक्रम का विषय नहीं, बल्कि देश की भाषाई विरासत, सांस्कृतिक निरंतरता और शैक्षिक समानता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य का निर्धारण सीमित अभिजात्य वर्ग या विदेशी भाषा समर्थक समूहों की अपेक्षाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। अधिकांश विद्यार्थी आठवीं कक्षा तक किसी भारतीय भाषा का अध्ययन करते हैं, इसलिए उन्हें कक्षा 9 एवं 10 में भी उसी भाषा को आगे पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। प्रो. वरखेड़ी ने स्पष्ट किया कि भारतीय भाषाओं के संवर्धन का अर्थ किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सदैव वैश्विक ज्ञान के प्रति उदार रहा है, लेकिन अपनी भाषाई जड़ों को कमजोर कर कोई भी राष्ट्र लंबे समय तक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नहीं रह सकता।

3000 करोड़ के हीरा ग्रुप घोटाले में मुख्य आरोपी नोहेरा शेख गुरुग्राम से गिरफ्तार

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश के चर्चित हीरा ग्रुप निवेश घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हीरा ग्रुप की प्रमुख नोहेरा शेख को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। ईडी के अनुसार, नोहेरा शेख को 21 मई की देर रात गुरुग्राम के सेक्टर-45 स्थित एक एयरबीएनबी प्रॉपर्टी से संयुक्त अभियान के दौरान पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे हैदराबाद ले जाया गया। ईडी की जांच तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। इन मामलों में नोहेरा शेख, मोली थामस, बीजू थामस और हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज पर देशभर के निवेशकों से धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि हीरा समूह ने निवेश योजनाओं के जरिए एक लाख से अधिक लोगों से 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई। अधिकारियों के मुताबिक, निवेशकों को सालाना 35 से 36 प्रतिशत तक रिटर्न देने का लालच दिया गया था। लेकिन बाद में न तो तय मुनाफा दिया गया और न ही मूलधन लौटाया गया। ईडी का आरोप है कि निवेशकों से जुटाई गई रकम को व्यक्तिगत खातों में ट्रांसफर कर चल और अचल संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया। ईडी के अनुसार मामले में करीब 122 करोड़ रुपये की संपत्तियों की नीलामी पहले ही की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2026 को नोहेरा शेख को एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने और दो महीने के अंदर नीलाम की गई 16 संपत्तियों के विक्रय विलेख निष्पादित करने का निर्देश दिया था। हालांकि एजेंसी का आरोप है कि नोहेरा शेख ने नीलामी प्रक्रिया में सहयोग नहीं किया और कार्रवाई में लगातार बाधा डालती रही। बाद में अदालत द्वारा उसके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किए गए। ईडी ने हैदराबाद और बेंगलुरु में तलाशी अभियान चलाया, जहां से सूचना मिली कि वह फर्जी दस्तावेजों और नकली पहचान के सहारे गुरुग्राम में छिपी हुई है। जांच में सामने आया कि वह अपने सहयोगी समीर खान के साथ शेख खमर नाम से बने फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रही थी। ईडी ने यह भी बताया कि इसी वर्ष जनवरी में कल्याण बनर्जी नामक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया था। उस पर नोहेरा शेख के इशारे पर वकील बनकर ईडी की नीलामी प्रक्रिया में बाधा डालने का आरोप है। फिलहाल एजेंसी मामले की आगे जांच कर रही है।

नगर के प्राइवेट अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर गिरने से मासूम की मौत

कृष्णा नर्सिंग होम में कथित लापरवाही पर फूटा गुस्सा, परिजनों का हंगामा, अस्पताल सील करने की मांग

खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के स्टेशन रोड स्थित कृष्णा नर्सिंग होम में कथित लापरवाही के चलते चार वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए अस्पताल को सील किए जाने की मांग उठाई।

दवाई दिलाने आया था परिवार, खेलते-खेलते हादसे का शिकार हुआ मासूम- जानकारी के अनुसार मोहल्ला पठानपुरा चारबाग निवासी फैजान पुत्र मोहम्मद यूनुस शनिवार को अपने छोटे पुत्र की दवाई दिलाने के लिए कृष्णा नर्सिंग होम पहुंचे थे। उनके साथ चार वर्षीय पुत्र मोहम्मद अज़ान भी मौजूद था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान खेलते-खेलते मासूम अस्पताल परिसर के बाहर की ओर चला गया, जहां जमीन पर असुरक्षित तरीके से रखे गए कई ऑक्सीजन सिलेंडरों में से एक सिलेंडर अचानक बच्चे के सिर पर गिर पड़ा। सिलेंडर गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। परिजन तत्काल उसे अस्पताल के अंदर लेकर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि वहां मौजूद डॉक्टर ने बच्चे को देखने के बजाय दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कही।

एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक भटकते रहे परिजन- परिजनों के अनुसार घायल बच्चे को पहले पूजा हॉस्पिटल ले

जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए उसे तुरंत लाइफ लाइन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मासूम मोहम्मद अज़ान को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे इलाके में घटना को लेकर शोक और

आक्रोश का माहौल बन गया।

"समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान" — परिजन- परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि बच्चे का समय रहते उचित उपचार किया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। उनका आरोप है कि अस्पताल में सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही थी। लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में ऑक्सीजन सिलेंडर खुले और असुरक्षित तरीके से रखे गए थे। इसके अलावा मुख्य गेट के पास विद्युत बॉक्स भी खुला पड़ा था तथा बिजली के तार नीचे लटके हुए थे, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अस्पताल में जमकर हंगामा, सील करने की उठी मांग- घटना के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोग दोबारा कृष्णा नर्सिंग होम पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने अस्पताल को तत्काल सील करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। स्थिति को बिगड़ता देख मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया।

सांसद प्रतिनिधि फहीम अंसारी पहुंचे मौके पर- घटना की जानकारी मिलते ही सांसद प्रतिनिधि एडवोकेट फहीम अंसारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। साथ ही अस्पताल संचालक डॉ. गर्ग से भी मामले को लेकर बातचीत की।

पुलिस ने शुरू की जांच, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी के बीच चेन्नई में बदला मौसम

तेज़ आंधी के बाद गर्मी से मिली राहत, कई उड़ानें प्रभावित

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और उमस के बीच शनिवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह से ही शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज़ आंधी और ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे लोगों को तपिश से राहत मिली। हालांकि, मौसम में आए इस बदलाव का असर सामान्य जनजीवन के साथ-साथ विमान सेवाओं पर भी पड़ा और कई उड़ानों के संचालन में देरी दर्ज की गई।

पिछले एक सप्ताह से चेन्नई में तापमान लगातार बढ़ रहा था। सुबह से ही तेज़ धूप और अत्यधिक उमस के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। दोपहर के समय हालात और अधिक कठिन हो जाते थे तथा सड़कों पर आवाजाही

कम दिखाई दे रही थी। ऐसे में शनिवार सुबह अचानक आसमान में बादल छा गए और शहर के कई इलाकों में तेज़ हवाएं चलने लगीं। चेन्नई के मरीना, एग्मोर, पुरसावक्कम, अन्नानगर, कोयम्बेडु, तांबरम, वेलाचेरी और अडयार समेत कई क्षेत्रों में तेज़ आंधी देखी गई। कुछ स्थानों पर धूल भरी हवाएं चलने से वाहन चालकों को दृश्यता संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तेज़ हवाओं के कारण सड़क किनारे लगे होर्डिंग, बैनर और अस्थायी ढांचे हिलने लगे, जबकि कई जगहों पर पेड़ों की शाखाएं टूटकर गिरने की भी सूचना मिली।

महाराष्ट्र के डोंबिवली और नवी मुंबई से 24 नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के डोंबिवली और नवी मुंबई में पुलिस ने 24 नाइजीरियन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 14 पुरुष, 6 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। कल्याण सर्किल के पुलिस उपायुक्त अतुल ज़ेंडे ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि गोपनीय जानाकरी के आधार पर नवी मुंबई और ठाणे पुलिस ने बीती रात संयुक्त रुप से खोनी के पलावा इलाके में डाउनटाउन और क्राउन पलावा की बिल्डिंग्स में कॉम्बिंग ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन के दौरान 24 नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए नागरिकों में 14 पुरुष, 6 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। पुलिस जांच में पता चला कि उनमें से 8 के पास भारत में रहने के लिए ज़रूरी सरकारी कागज़ात नहीं थे। जांच में यह भी पता चला कि 9 नाइजीरियन नागरिकों के खिलाफ अलग-अलग पुलिस थानों में ड्रग से जुड़े अपराध दर्ज हैं।

रेल मंत्री ने जयपुर में 420 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

◆ बोले- रेलवे में जल्द 1.78 लाख भर्तियां

एजेंसी, जयपुर

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को जयपुर दौरे पर रहे। उन्होंने जयपुर स्थित कॉन्सटीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित रोजगार मेले में भाग लिया और विभिन्न केंद्रीय विभागों में चयनित 420 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। इस दौरान रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे में जल्द ही एक लाख 78 हजार पदों पर भर्ती निकाली जाएगी।

रोजगार मेले के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रेलवे में भर्ती प्रक्रिया को अब अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। पहले भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक चलती थीं, लेकिन अब वार्षिक भर्ती कैलेंडर लागू होने से युवाओं को पहले से जानकारी मिल रही है कि किस समय कौन-सी भर्ती निकलेगी। उन्होंने बताया कि रेलवे भर्ती प्रक्रिया को चार चरणों में विभाजित किया गया है। पहले क्वार्टर में लोको पायलट, दूसरे क्वार्टर में टेक्निशियन एवं अन्य तकनीकी

पदों, तीसरे क्वार्टर में नॉन टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी जैसे स्टेशन मास्टर और जूनियर इंजीनियर तथा चौथे क्वार्टर में लेवल-1 पदों के नोटिफिकेशन जारी किए जाते हैं। इससे युवाओं को बेहतर तैयारी और नियमित अवसर मिल रहे हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री ने इस अवसर पर राजस्थान में रेलवे विस्तार योजनाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे देशभर में 36 हजार किलोमीटर नए ट्रैक बिछाने पर कार्य कर रही है। राजस्थान में चल रहे रेलवे प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद राज्य में लगभग 200 नई ट्रेनें चलाने की योजना है।

सिंधिया का कॉकरोच जनता पार्टी पर तंज, बोले-ट्रेंड से नहीं, जनता के बीच काम करने से चलती है राजनीति

एजेंसी, शिवपुरी

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राजनीति ट्रेंड से नहीं, बल्कि जनता के बीच काम करने से चलती है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शनिवार को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में आयोजित भाजपा के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' में शामिल होने के पहुंचे थे। यहां उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल 'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर पूछे गए सवालों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश की जनता पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी है और 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने में जुटी है। उन्होंने माना कि एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' का मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा में जरूर आया, लेकिन भाजपा का मुख्य ध्यान सिर्फ देश के विकास और जनता की सेवा पर केंद्रित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर रोज नए-नए मुद्दे सामने आते रहते हैं, लेकिन वास्तविक राजनीति जनता के बीच रहकर काम करने से ही होती है और भाजपा देश को आगे बढ़ाने के कार्य में निरंतर

लगी हुई है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने शनिवार को शिवपुरी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए विकसित भारत 2047 के संकल्प, अंत्योदय की भावना और संगठन की वैचारिक शक्ति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा का एक-एक योद्धा राष्ट्र प्रगति के संकल्प के लिए न रुकेगा, न झुकेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वे भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ कार्य करें। सिंधिया ने कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए, क्योंकि निरंतर सीखने वाला कार्यकर्ता ही जनसेवा को नई दिशा देता है। यही संदेश देते हुए, आज गुना में जिला स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' में हमारे देवतुल्य कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद किया। माँ भारती की सेवा, अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण और 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी तपस्या, समर्पण और कर्मनिष्ठा से अमूल्य योगदान दे रहा है। आप जैसे समर्पित सभी कर्मयोगी साथियों पर मुझे गर्व है।

वहीं, सिंधिया के साथ शिवपुरी पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बढ़ते फॉलोअर्स को लेकर कहा कि सोशल मीडिया और जमीनी राजनीति में बहुत बड़ा अंतर होता है। उन्होंने कहा कि कई बार कोई बात तेजी से वायरल हो जाती है और कुछ दिनों तक चर्चा में बनी रहती है, लेकिन उसका प्रभाव लंबे समय तक नहीं टिकता। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राजनीति केवल इंटरनेट के ट्रेंड या फॉलोअर्स की संख्या से नहीं चलती है। खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस या कोई भी अन्य दल हो, वे अपनी विचारधारा और संगठन के दम पर कई वर्षों से जनता के बीच सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के कोरबा में मिला 80 साल पुराना ब्रिटिशकालीन दस्तावेज

एजेंसी, कोरबा

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में "ज्ञानभारतम" राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के दौरान एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि सामने आई है। इस कड़ी में जिला समन्वयक सतीश प्रकाश सिंह ने पोड़ीउपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम तुमान में सर्वेक्षण के दौरान ब्रिटिश कालीन दस्तावेजों को खोज निकाला। जिला समन्वयक सतीश प्रकाश सिंह ने आज बताया कि ग्राम तुमान के निवासी बुजुर्ग बिधून दास महंत के नाती ने सर्वेक्षण के दौरान उन्हें यह ब्रिटिश कालीन दस्तावेज उपलब्ध कराया। देश की आज़ादी के पहले के इस पुराने दस्तावेज का अवलोकन करने पर पाया गया कि एक रूपये मूल्य के स्टाम्प में ब्रिटेन के तत्कालीन राजा की तस्वीर छपी हुई है। यह हस्तलिखित दस्तावेज 80 साल पुराना हैं, जिसकी स्याही बहुत धुंधली हो चुकी है तथा कागज़ बहुत जीर्ण-शीर्ण हालात में हैं। दस्तावेज का अवलोकन करने के उपरांत "ज्ञानभारतम् मिशन"

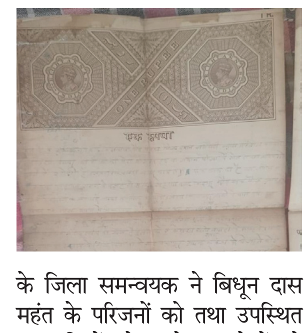

के जिला समन्वयक ने बिधून दास महंत के परिजनों को तथा उपस्थित ग्रामवासियों को पुराने दस्तावेजों को संभाल कर सुरक्षित रखने की सलाह दी। इस अवसर पर जिला समन्वयक सतीश ने जिले में संचालित किये जा रहे "ज्ञानभारतम" राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के महत्व और उद्देश्यों को बताया तथा अभियान के तहत 75 वर्ष से अधिक हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को जो कागज़, ताड़पत्र, भोजपत्र में किसी भी लिपि में हाथ से लिखा गया हो एवं जो पाण्डुलिपि सूचीबद्ध नहीं हुई हैं, उसे "ज्ञानभारतम् एप" के माध्यम से पंजीकृत कर उसका फोटो अपलोड कर डिजिटल संरक्षण करने को कहा।

बस्तर नक्सली गतिविधियों से हुआ मुक्त, अभी माइन फ्री होने में लगेगा कुछ समय : सुंदरराज पी.

एजेंसी, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि पूरा बस्तर अब नक्सली गतिविधियों से मुक्त हो चुका है। मार्च 2026 से बस्तर में नक्सल हिंसा लगभग पूरी तरह बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और स्थानीय लोगों की इच्छा के अनुसार सुरक्षा बलों ने लगातार अभियान चलाकर यह सफलता हासिल की है।

बस्तर आईजी सुंदरराज ने शनिवार को पत्रकारवार्ता में कहा कि अब देश के ज्यादातर हिस्सों में सशस्त्र नक्सली गतिविधियां खत्म होने के साथ बस्तर को भी सुरक्षित घोषित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती पिछले कुछ वर्षों में मिली सफलता को कायम रखना है। इसके साथ ही जंगलों और पहाड़ी इलाकों में नक्सलियों द्वारा लगाये गए बारूदी सुरंगों व नक्सलियों के छिपाकर रखे गये आईईडी को ढूंढकर सुरक्षित

तरीके से हटाना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि बस्तर में तैनात सुरक्षाबल लगातार डी-माइनिंग अभियान चला रहे हैं।

बस्तर आईजी ने बताया कि स्थानीय लोगों से मिली जानकारी एवं आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से पूछताछ के आधार पर बारूदी सुरंगों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर का इलाका पहाड़ी और जंगलों से घिरा होने के कारण पूरे क्षेत्र को पूरी तरह माइन फ्री घोषित करने में अभी कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों तक यह अभियान जारी रहेगा।

पश्चिम बंगाल में जुलाई से शुरू होगा आयुष्मान भारत कार्ड वितरण

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। शनिवार को नवान्न में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी नई पहलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में जुलाई महीने से आयुष्मान भारत कार्ड वितरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य साथी योजना से जुड़े छह करोड़ से अधिक लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में लाना है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अभी तक

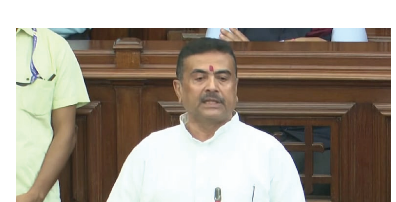

स्वास्थ्य साथी योजना के अंतर्गत शामिल नहीं हो पाए हैं, उन्हें भी चरणबद्ध तरीके से योजना से जोड़ा जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह भी बताया कि राज्य में 30 मई से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। यह अभियान केंद्र सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे

सात लाख लड़कियों को लगेगा सर्वाइकल कैंसर रोधी टीका

कार्यक्रम का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पश्चिम बंगाल की सात लाख से अधिक नाबालिग लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर रोधी टीका लगाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य किशोरियों को गंभीर बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना और समय रहते सुरक्षा प्रदान करना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, टीकाकरण अभियान स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और विशेष शिविरों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल को 2103 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

शिक्षकों को चुनावी प्रक्रिया, जनगणना,आर्थिक सर्वेक्षण, पल्स पोलियो अभियान, स्थानीय निकायों के डाटा संकलन, आवारा कुत्तों की गणना जैसे कार्यों में लगाना- बॉम्बे हाईकोर्ट का ऐतिहासिक हस्तक्षेप

लोकतंत्र की शान

» 31 जुलाई 2026 तक रोक-क्या शिक्षक शिक्षा दें या शासन के गैर- शैक्षणिक कार्य करें? -समग्र व्यापक विश्लेषण

» बॉम्बे हाईकोर्ट का यह निर्णय शिक्षा की गरिमा, संवैधानिक सीमाओं और विधि के शासन, तीनों की एक साथ रक्षा करने वाला ऐतिहासिक कदम

» बॉम्बे हाईकोर्ट का यह आदेश केवल एक अंतरिम राहत नहीं बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था की मूल आत्मा की रक्षा का प्रयास-अदालत क्रा स्पष्ट संदेश कि शिक्षक केवल प्रशासनिक मशीनरी का हिस्सा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की केंद्रीय धुरी हैं सराहनीय -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तर पर भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि शिक्षकों का मूल दायित्व बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना है या फिर उन्हें चुनाव, जनगणना, सर्वेक्षण, पशुगणना,सामाजिक योजनाओं के सत्यापन,मतदाता सूची पुनरीक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्यों में लगातार लगाया जाना चाहिए। देश के लगभग हर राज्य में समय- समय पर शिक्षकों को चुनावी प्रक्रिया, जनगणना,आर्थिक सर्वेक्षण, पल्स पोलियो अभियान, स्थानीय निकायों के डाटा संकलन,यहां तक कि आवारा कुत्तों की गणना जैसे कार्यों में भी लगाया गया है।सरकारी व्यवस्था का तर्क हमेशा यह रहा कि शिक्षक पढ़े -लिखे, अनुशासित और प्रशासनिक रूप से भरोसेमंद कर्मचारी होते हैं, इसलिए वे ऐसे कार्यों के लिए उपयुक्त हैं। जबकि मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र नें ख़ुद सैकड़ो आर्टिकलों के जरिए हर प्रदेश की इस शासन व्यवस्था का विरोध दर्ज कराते रहता हूं ,कई बार मैंने शिक्षकों से ग्राउंड रिपोर्टिंग करके पूछा है तो उन्होंने इस विषय पर गहरी संवेदना भी व्यक्त की है, परंतु मेरी हसते लेखनी तथा इन ग्राउंड रिपोर्ट क़े विचारों को शासन ने अभी तक महत्व नहीं दिया है।दूसरी ओर शिक्षा विशेषज्ञों,अभिभावकों और स्वयं शिक्षकों का लगातार यह कहना रहा है कि इससे शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होती है, विद्यार्थियों का अध्ययन बाधित होता है और शिक्षकों की ऊर्जा तथा समय शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के बजाय गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में खर्च हो जाता है। यही कारण है कि इस मुद्दे पर देशभर की अदालतों में अनेक याचिकाएं दायर होती रही हैं।इसी पृष्ठभूमि में अब अनएडेड स्कूल्ज फोरम & अदर्स वर्सस स्टेट ऑफ़ महाराष्ट्र एंड अदर्स केस नम्बर रिट पीटिशन नम्बर 15009/ 2026 मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा 22 मई 2026 को दिया गयाअंतरिम आदेश अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।अदालत ने महाराष्ट्र में निजी गैर-सहायता प्राप्त तथा अल्पसंख्यक स्कूलों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को जनगणना कार्य में अनिवार्य रूप से तैनात करने पर 31 जुलाई 2026 तक रोक लगा दी।यह निर्णय केवलप्रशासनिक आदेश पर रोक भर नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के अधिकार, शिक्षक की भूमिका, वैधानिक सीमाओं और राज्य की शक्तियों की सटीक संवैधानिक समीक्षा भी है। साथियों, सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत में किन कानूनों के अंतर्गत शिक्षकों से चुनावी या जनगणना संबंधी कार्य लिए जाते रहे हैं। चुनावी प्रक्रिया के संदर्भ में मुख्य प्रावधान रिप्रेजेन्टेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट , 1950 तथा रिप्रेजेन्टेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट ,1951 में निहित हैं।विशेष रूप सेजनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13सीसी तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 159 के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए उपलब्ध कराने का अधिकार चुनाव आयोग को प्राप्त है। इसके अतिरिक्त चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत व्यापक संवैधानिक शक्तियां भी प्राप्त हैं। इसी आधार पर सरकारी स्कूलों के शिक्षक अक्सर चुनाव ड्यूटी, मतदाता सूची पुनरीक्षण और मतदान प्रक्रिया में नियुक्त किए जाते रहे हैं।वहीं जनगणना संबंधी कार्यों के लिए मुख्य कानून सेंसेक्स,एक्ट 1948 है। इस अधिनियम की धारा 4 केंद्र सरकार को जनगणना आयुक्त तथा अन्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार देती है। धारा 4ए के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरण को अपनेकर्मचारियों को जनगणना कार्य हेतुउपलब्ध कराने का दायित्व सौंपा जा सकता है। इसी प्रावधान की व्याख्या को लेकर वर्तमान विवाद खड़ा हुआ। राज्य सरकार का तर्क था कि निजी सहायता प्राप्त अथवा गैर- सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक भी व्यापक प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा हैं और उन्हें जनगणना कार्य में लगाया जा सकता है। जबकि याचिका कर्ताओं ने कहा कि निजी स्कूल स्थानीय प्राधिकरण की परिभाषा में नहीं आते और इसलिए उनके कर्मचारियों पर ऐसी बाध्यता नहीं थोपी जा सकती। साथियों, अनएडेड स्कूल्ज फोरम & अदर्स वर्सस स्टेट ऑफ़ महाराष्ट्र एंड अदर्स केस नम्बर रिट पीटिशन नम्बर 15009/2026 मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा 22 मई 202 की सुनवाई जस्टिस गौतम अंखड और जस्टिस संदेश पाटिल की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष हुई। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि जनगणना अधिनियम और उससे संबंधित नियमों में कहीं भी ऐसा स्पष्ट प्रावधान नहीं है जो निजी गैर-सहायता प्राप्त और अल्पसंख्यक स्कूलों को अपने शिक्षकों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य के लिए उपलब्ध कराने हेतु बाध्य करता हो। अदालत का यह अवलोकन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय न्याय व्यवस्था में किसी भी प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग तभी वैध माना जाता है जब उसके पीछे स्पष्ट वैधानिक आधार हो।राज्य सरकार ने अदालत के सामने यह भी तर्क रखा कि राइट ऑफ़ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन एक्ट , 2009 अर्थात आरटीई अधिनियम की धारा 27शिक्षकों को गैर- शैक्षणिक कार्यों में लगाने की अनुमति देती है। धारा 27 वास्तव में कहती है कि शिक्षकों को सामान्यतः गैर- शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाएगा,सिवाय जनगणना चुनाव और आपदा राहत जैसे सीमित कार्यों के। राज्य सरकार ने इसी अपवाद का सहारा लिया। परंतु बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि धारा 27 स्वयं में शक्ति का स्वतंत्र स्रोत नहीं है। यह केवल गैर-शैक्षणिक कार्यों पर लगी सामान्य रोक के अपवादों को दर्शाती है। इसका अर्थ यह नहीं कि राज्य स्वतः किसी भी निजी स्कूल के शिक्षक को अनिवार्य रूप से बुलाने का असीमित अधिकार मिल जाता है। साथियों, अदालत ने आरटीई अधिनियम की धारा 24(1)(एफ) और धारा 38 का भी विस्तृत विश्लेषण किया। न्यायालय ने कहा कि यदि शिक्षकों पर अतिरिक्त दायित्व डालना है तो उसके लिए नियमों या स्पष्ट वैधानिक समर्थन आवश्यक है। अदालत के समक्ष ऐसा कोई नियम प्रस्तुत नहीं किया गया जो निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों को जनगणना कार्य में अनिवार्य रूप से लगाने की अनुमति देता हो। इस प्रकार न्यायालय ने प्रशासनिक सुविधा और वैधानिक अधिकार के बीच स्पष्ट सीमा रेखा खींच दी।इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू शिक्षा के अधिकार को लेकर अदालत की चिंता रही। अदालत ने कहा कि शिक्षकों को बड़े पैमाने पर जनगणना कार्य में लगाने से नियमित शैक्षणिक गतिविधियां बाधित होती हैं और विद्यार्थियों के निर्बाध शिक्षा पाने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21ए के अंतर्गत शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार है। यदि शिक्षक लगातार गैर- शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो कक्षा शिक्षण प्रभावित होना स्वाभाविक है। अदालत ने इसी संवैधानिक दृष्टिकोण को महत्व देते हुए कहा कि राज्य को प्रशासनिक आवश्यकताओं और बच्चों के शैक्षणिक हितों के बीच सटीकता से संतुलन बनाना होगा। साथियों, राज्य सरकार ने यह भी दलील दी कि ये कार्य गर्मियों की छुट्टियों के दौरान कराए जा रहे हैं,इसलिए पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। लेकिन अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों के आधार पर माना कि बड़ी संख्या में शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण तथा अन्य जनगणना प्रक्रियाओं में शामिल किया जा रहा था, जिससे शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका वास्तविक थी। अदालत ने यह भी कहा कि जनगणना जैसे कार्य सरकारी तंत्र, स्थानीय निकायों और सहायता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से भी कराए जा सकते हैं। इसलिए निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों पर अनिवार्य बोझ डालना आवश्यक नहीं है।इस मामले का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पहलू अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अधिकारों से भी जुड़ा है। संविधान का अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार देता है। यदि राज्य बार-बार ऐसे संस्थानों के कर्मचारियों को गैर-शैक्षणिक सरकारी कार्यों में लगाएगा तो संस्थागत स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि अदालत ने इस पहलू को भी गंभीरता से देखा। साथियों, यह पहला अवसर नहीं है जब अदालतों ने शिक्षकों की अनिवार्य जनगणना ड्यूटी पर प्रश्न उठाया हो। इससे पहले नागपुर खंडपीठ ने भी सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को राहत प्रदान की थी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन से संबद्ध स्कूलों के कर्मचारियों को जनगणना ड्यूटी में लगाए जाने के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उन्हें जबरन इस कार्य में लगाना मनमाना है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 21 का उल्लंघन है। अदालत ने प्रारंभिक स्तर पर इस दलील को गंभीर मानते हुए संबंधित आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि न्यायपालिका अब शिक्षा व्यवस्था पर गैर-शैक्षणिक बोझ को लेकर अधिक संवेदनशील होती जा रही है।दरअसल भारत में शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों में लगाने की परंपरा काफी पुरानी है। चुनावों के दौरान लाखों शिक्षक मतदान अधिकारी, प्रेक्षक, बूथ लेवल अधिकारी और गणना कर्मी के रूप में नियुक्त किए जाते हैं। कई बार यह तर्क दिया जाता है कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है और उसकी निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु शिक्षकों का सहयोग आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा व्यवस्था को लगातार बाधित करके ही प्रशासनिक कार्य पूरे किए जाएंगे? विकसित देशों में शिक्षकों को मुख्यतः शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित रखा जाता है। वहां प्रशासनिक और सांख्यिकीय कार्यों के लिए पृथक कैडर विकसित किए गए हैं। भारत में भी अब यह बहस तेज हो रही है कि क्या जनगणना, सर्वेक्षण और अन्य सरकारी कार्यों के लिए अलग प्रशासनिक संसाधन विकसित किए जाने चाहिए।इस निर्णय के व्यापक सामाजिक प्रभाव भी हैं। निजी और गैर-सहायता प्राप्त स्कूल अक्सर सीमित संसाधनों में संचालित होते हैं। यदि उनके शिक्षक और कर्मचारी लंबे समय तक सरकारी कार्यों में लगाए जाते हैं तो संस्थान की अकादमिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। छोटे विद्यालयों में तो एक-दो शिक्षकों की अनुपस्थिति भी पूरे शैक्षणिक ढांचे को बाधित कर देती है। इससे विद्यार्थियों का सीखने का स्तर गिरता है और अभिभावकों में असंतोष बढ़ता है। साथियों, कानूनी दृष्टि से यह मामला वैधानिकप्राधिकरण की सीमा का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। भारतीय प्रशासनिक कानून का मूल सिद्धांत है कि कोई भी सरकारी प्राधिकारी केवल वही कार्य कर सकता है जिसकी अनुमति कानून स्पष्ट रूप से देता हो। यदि कानून में अस्पष्टता है तो राज्य अपनी सुविधा के आधार पर नागरिकों या संस्थाओं पर दायित्व नहीं थोप सकता। बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश इसी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि करता है।यह भी ध्यान देने योग्य है कि अदालत ने केवल शिक्षकों ही नहीं बल्कि गैर-शिक्षण कर्मचारियों की तैनाती पर भी रोक लगाई है। इसका अर्थ यह है कि विद्यालय एक स्वतंत्र शैक्षणिक इकाई है और उसके प्रशासनिक ढांचे को भी अनावश्यक सरकारी हस्तक्षेप से संरक्षित किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ जनगणना कार्य न करने पर दंडात्मक अथवा किसी भी प्रकार की आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। साथियों, अब 31 जुलाई 2026 को होने वाली विस्तृत सुनवाई पर पूरे देश की नजरें टिकी हैं। यदि अंतिम निर्णय भी इसी दिशा में आता है तो यह भारत की शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक प्रणाली दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल बन सकता है। संभव है कि भविष्य में राज्य सरकारों को जनगणना और चुनावी कार्यों के लिए अलग मानव संसाधन तंत्र विकसित करना पड़े। यह भी संभव है कि संसद या राज्य विधानसभाओं को इस विषय में स्पष्ट कानून बनाने पड़ें ताकि प्रशासनिक आवश्यकता और शिक्षा के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि बॉम्बे हाईकोर्ट का यह आदेश केवल एक अंतरिम राहत नहीं बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था की मूल आत्मा की रक्षा का प्रयास प्रतीत होता है। अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शिक्षक केवल प्रशासनिक मशीनरी का हिस्सा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की केंद्रीय धुरी हैं। यदि उन्हें लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझाया जाएगा तो उसका सीधा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा और देश के भविष्य पर पड़ेगा। इसलिए यह निर्णय शिक्षा की गरिमा, संवैधानिक सीमाओं और विधि के शासन—तीनों की एक साथ रक्षा करने वाला ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

लेखक- डॉ राघवेंद्र शर्मा

हमें कब कहां क्या बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब कहां क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं - बिना बेचारे जो करे सो पांछे से पछताय। काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।। अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है। अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

"कॉकरोच जनता पार्टी" : व्यंग्य, विरोध और लोकतंत्र के बदलते स्वर

सैयद इसरार हुसैन

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों और राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनभावनाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना का भी जीवंत मंच है। समय-समय पर देश में ऐसे प्रतीक और शब्द उभरते रहे हैं, जो जनता की भावनाओं को नई दिशा देते हैं। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा नाम — "कॉकरोच जनता पार्टी" — इसी बदलती डिजिटल राजनीति और जनचर्चा का नया उदाहरण बनकर सामने आया है।

विवादित टिप्पणी और सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया-हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice of India) से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक बहस देखने को मिली। इंटरनेट पर वायरल चर्चाओं में दावा किया गया कि आज के युवाओं की तुलना "कॉकरोच" जैसे शब्दों से की गई। इस कथित टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं और कई युवाओं ने इसे अपने आत्मसम्मान तथा नई पीढ़ी के संघर्षों से जोड़कर देखा। इसी संदर्भ में कुछ लोगों ने व्यंग्यात्मक अंदाज में "कॉकरोच जनता पार्टी" नाम का उपयोग शुरू किया। देखते ही देखते यह नाम इंटरनेट पर वायरल होने लगा। मीम, पोस्टर, वीडियो और काल्पनिक राजनीतिक घोषणापत्रों के माध्यम से यह ट्रेंड देशभर में चर्चा का विषय बन गया।

सोशल मीडिया के दौर की नई राजनीति-आज राजनीति केवल संसद, चुनावी मंचों और टीवी बहसों तक सीमित नहीं रह गई है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया स्वयं एक राजनीतिक मंच बन चुका है। ट्विटर (X), फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर आम नागरिक भी अपनी राय, असहमति और व्यंग्य को लाखों लोगों तक पहुंचाने की क्षमता रखते हैं। "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी नई डिजिटल राजनीति की उपज मानी जा रही है। शुरुआत में इसे केवल एक व्यंग्यात्मक ट्रेंड माना गया, लेकिन धीरे-धीरे यह उन लोगों की आवाज बनता गया जो व्यवस्था, राजनीति और संस्थाओं के प्रति अपनी नाराजगी को हास्य और कटाक्ष के माध्यम से व्यक्त करना चाहते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ नारों ने विशेष ध्यान आकर्षित किया— "हम दबेंगे नहीं, क्योंकि कॉकरोच हर हाल में जिंदा रहता है" "सिस्टम चाहे जितना स्प्रे कर ले, जनता लौटकर आएगी" "कॉकरोच जनता पार्टी — संघर्ष करने वालों की आवाज" इन नारों में व्यंग्य के साथ-साथ आम जनता की निराशा, संघर्ष और व्यवस्था के प्रति अविश्वास की झलक भी दिखाई देती है।

आखिर "कॉकरोच" शब्द प्रतीक कैसे बन गया?

सामान्यतः "कॉकरोच" शब्द का प्रयोग नकारात्मक संदर्भ में किया जाता है, लेकिन सोशल मीडिया ने इस शब्द को एक अलग अर्थ दे दिया। कई लोगों ने इसे संघर्ष, जिजीविषा और हर परिस्थिति में जीवित रहने की क्षमता का प्रतीक मानना शुरू कर दिया। वैज्ञानिक दृष्टि से कॉकरोच ऐसा जीव माना जाता है जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रह सकता है। इसी विशेषता को सोशल मीडिया पर आम नागरिकों के संघर्ष से जोड़ा गया। लोगों का कहना है कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, करों के बोझ और राजनीतिक वादों के बीच आज का आम नागरिक भी लगातार संघर्ष कर रहा है।

मीम संस्कृति और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति-भारत में राजनीतिक व्यंग्य की परंपरा नई नहीं है। कार्टून, कविताएं और व्यंग्य लेख लंबे समय से लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया ने इस परंपरा को अभूतपूर्व गति और प्रभाव प्रदान किया है। आज एक वायरल मीम लाखों लोगों की सोच को प्रभावित कर सकता है। "कॉकरोच जनता पार्टी" के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। लोगों ने मजाकिया अंदाज में इस पार्टी का काल्पनिक चुनाव चिन्ह, घोषणापत्र और नेता तक तैयार कर दिए।

कुछ वायरल पोस्टों में पार्टी के काल्पनिक वादे इस प्रकार दिखाए गए— हर नागरिक को "सम्मान के साथ जीने का अधिकार" "स्प्रे मुक्त समाज" की कल्पना बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार भ्रष्टाचार के खिलाफ "जनता निरीक्षण अभियान" युवाओं के बीच लोकप्रियता का कारण भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में से एक है। आज का युवा केवल राजनीतिक भाषण नहीं सुनता, बल्कि डिजिटल माध्यमों के जरिए राजनीति को समझता और उस पर प्रतिक्रिया देता है। "कॉकरोच जनता पार्टी" युवाओं के बीच इसलिए लोकप्रिय हो रही है क्योंकि इसमें हास्य, विद्रोह और सामाजिक संदेश — तीनों का मिश्रण मौजूद है।

क्या यह केवल मजाक है या सामाजिक संकेत? राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषकों के अनुसार ऐसे वायरल ट्रेंड केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं होते। वे समाज की मनोदशा और जनता के भीतर मौजूद बेचैनी को भी सामने लाते हैं। जब नागरिक व्यवस्था और नेतृत्व से दूरी महसूस करने लगते हैं, तब व्यंग्य एक प्रभावशाली माध्यम बन जाता है। इतिहास गवाह है कि कई बार छोटे प्रतीक और मजाकिया अभियानों ने बड़े सामाजिक विमर्श को जन्म दिया है। "कॉकरोच जनता पार्टी" फिलहाल भले ही सोशल मीडिया का ट्रेंड हो, लेकिन इसने यह जरूर संकेत दिया है कि युवा वर्ग अपनी पहचान, सम्मान और समस्याओं को लेकर अधिक मुखर होता जा रहा है। लोकतंत्र में व्यंग्य की भूमिका लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। व्यंग्य उसी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह सत्ता, संस्थाओं और नीतियों पर सवाल उठाने का रचनात्मक तरीका प्रदान करता है।

निष्कर्ष-"कॉकरोच जनता पार्टी" केवल एक वायरल नाम नहीं, बल्कि डिजिटल युग में बदलती राजनीतिक संस्कृति और जनभावनाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह दर्शाती है कि आज की जनता और विशेष रूप से युवा वर्ग केवल पारंपरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज, नाराजगी और व्यंग्य को खुलकर व्यक्त कर रहा है। यदि ऐसा है, तो यह केवल एक मीम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय भी है। और शायद यही कारण है कि "कॉकरोच जनता पार्टी" लोगों को केवल हंसाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें सोचने के लिए भी मजबूर करती है।

अलनीनो से प्रभावित होने के बाद भारत के पास क्या इंतजाम ?

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच अलनीनो एक बार फिर भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रशांत महासागर के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली यह मौसमी घटना भारतीय मानसून को सीधे प्रभावित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की थोड़ी-सी गड़बड़ी भी खेती, अर्थव्यवस्था, जल संकट और महंगाई पर व्यापक असर डालती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि अलनीनो का प्रभाव गहराता है, तो भारत के पास इससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हैं? भारत का लगभग आधा कृषि क्षेत्र आज भी वर्षा पर निर्भर है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ता है, वर्षा कम होती है और कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही नहीं, बिजली उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और उद्योग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए अलनीनो केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मौसम विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सटीक और समय रहते मौसम पूर्वानुमान जारी कर रहा है। उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के जरिए सरकार मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। इससे राज्यों और किसानों को पहले से तैयारी करने में मदद मिलती है। कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की कोशिशें की जा रही हैं। सरकार सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहारा देती हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके। जल संरक्षण की दिशा में भी कई प्रयास हो रहे हैं। जल शक्ति अभियान, तालाबों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बढ़ाई है। यह समझना जरूरी है कि भविष्य में जल ही सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है। ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत अब केवल जलविद्युत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि सूखे की स्थिति में जलाशयों का स्तर घटे, तब भी बिजली संकट को नियंत्रित किया जा सकेगा। फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पूरी तरह तैयार है। आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं। जल संरक्षण योजनाएं कागजों से आगे नहीं बढ़ पातीं। किसानों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने में भी कई बार कमी दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन अब पहले से अधिक अनिश्चित और गंभीर होता जा रहा है। अलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं हमें यह संदेश देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। भारत को केवल राहत योजनाओं पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण, वैज्ञानिक खेती, हरित ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, किसान और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तो भारत अलनीनो जैसी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। संकट बड़ा है, लेकिन तैयारी और सामूहिक प्रयास उससे भी बड़े हो सकते हैं।

अलनीनो से फसलों पर पड़ेगा प्रभाव ? विश्व मौसम व्यवस्था में होने वाले बदलावों का सबसे अधिक असर कृषि पर पड़ता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका और देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है। ऐसे में जब प्रशांत महासागर में समुद्री तापमान बढने से अलनीनो की स्थिति बनती है, तब उसका सीधा प्रभाव भारतीय मानसून और फसलों पर दिखाई देता है। यही कारण है कि अलनीनो को भारतीय कृषि के लिए एक गंभीर चेतावनी माना जाता है।

आरसीबी को आखिरी लीग मैच में हैदराबाद ने 55 रन से हराया

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर आरसीबी को आखिरी लीग मैच में 55 रन से हरा दिया। आरसीबी के लिए इस टीम के कप्तान रजत पाटीदार ने संघर्षभरी अर्धशतकीय पारी जरूर खेली, लेकिन वो अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए।

हैदराबाद की ये 14 मैचों में 9वीं जीत रही जबकि आरसीबी की ये 14 मैचों में 5वीं हार रही। हैदराबाद की जीत में अहम भूमिका इशान किशन, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन की अर्धशतकीय पारी ने निभाई। इशान किशन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 67वां मैच राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया। इस मैच में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 255 रन बनाए और आरसीबी को जीत के लिए 256 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में आरसीबी ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए।

रजत पाटीदार ने खेली 56 रन की पारी- कोहली ने ओपन करते हुए 15 रन की पारी खेली जबकि वेंकटेश अय्यर 44 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडीक्कल 21 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौट गए।

अभिषेक, इशान क्लासेन के अर्धशतक

हैदराबाद के ओपनर हेड ने आरसीबी के खिलाफ 16 गेंदों पर 26 रन की पारी खेली जबकि अभिषेक ने 20 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 56 रन बनाकर आउट हो गए। इशान ने 31 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और ये उनके इस सीजन का छठा अर्धशतक भी रहा। इशान ने 46 गेंदों पर 79 रन की पारी खेली जबकि नितिश कुमार रेड्डी ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए और नाबाद रहे।

आरसीबी ने किया एक बदलाव

इस मैच के लिए हैदराबाद ने अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया जबकि आरसीबी ने अपने अंतिम ग्यारह में एक बदलाव किया। आरसीबी के ओपनर जैकब बेथेल टीम से बाहर हुए जबकि कप्तान रजत पाटीदार की वापसी हुई।

अभिषेक-इशान से आगे क्लासेन, कोहली नंबर 1

14 लीग मैचों के बाद RCB और हैदराबाद के टॉप-3 बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 67वां मैच हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेला गया और ये इस सीजन में दोनों टीमों का आखिरी लीग मैच भी था। इस मैच में आरसीबी को 55 रन से हार मिली, लेकिन इसके बावजूद ये टीम 18 अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर बनी रही जबकि हैदराबाद की टीम भी अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। ये दोनों टीमें प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन 14 लीग मैचों के बाद आरसीबी और हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-3 बैटर कौन-कौन रहे इसके बारे में जानते हैं।

अभिषेक-इशान से आगे रहे क्लासेन

हैदराबाद टीम की बात करें तो 14 लीग मैचों के बाद आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर हेनरिक क्लासेन रहे। क्लासेन ने लीग मैचों में अपना जलवा बिखेरा और उन्होंने 14 मैचों में 606 रन 6 अर्धशतक की मदद से बनाए। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 69 रहा। इशान किशन इस मामले में दूसरे नंबर पर रहे जिन्होंने 14 मैचों में 569 रन बनाए और इस दौरान 6 अर्धशतक लगाए और उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा। अभिषेक शर्मा ने 14 मैचों में 563 रन एक शतक और 4 अर्धशतक के साथ बनाए और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 135 रन रहा।

लीग मैचों के बाद हैदराबाद के टॉप-3 बैटर
हेनरिक क्लासेन- 606 रन
इशान किशन- 569 रन
अभिषेक शर्मा- 563 रन

विराट कोहली ने बनाए सबसे ज्यादा रन
आरसीबी के भी सभी लीग मैच खत्म हो चुके हैं और लीग स्टेज में इस टीम के लिए सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए। कोहली ने 14 मैचों में 557 रन बनाए और इस दौरान एक शतक और 4 अर्धशतक भी जड़े। कोहली का बेस्ट स्कोर लीग स्टेज में नाबाद 105 रन रहा।

'विनेश फोगाट को ट्रायल में हिस्सा लेने दें'

दिल्ली हाई कोर्ट ने WFI को लगाई फटकार, कहा- किसी भी कीमत पर खेल का नुकसान नहीं हो

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर महिला पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 'अयोग्य' घोषित करने के फैसले के लिए शुक्रवार (22 मई) को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई और केंद्र को उनका मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'।

पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए। विनेश फोगाट मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करना चाहती हैं। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। अदालत ने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा, क्योंकि सरकारी वकील ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के नियम कुछ मामलों में पात्रता मानदंडों में छूट देते हैं।

एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती

अदालत ने मौखिक रूप से कहा, 'विशेषज्ञों से उसकी संभावनाओं का मूल्यांकन करने को कहें। यह सुनिश्चित करें कि वह भाग ले सके।' अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह दोपहर 2:30 बजे इस मामले पर फिर से सुनवाई करेगी ताकि सरकारी वकील टीम के गठन के संबंध में और अधिक जानकारी पेश कर सकें। अदालत फोगाट की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने 18 मई को एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी थी।

कारण बताओ नोटिस पर नाराजगी

वकील ने यह तर्क दिया कि नौ मई को गोंडा में एक घरेलू प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी से एक दिन पहले उनको कारण बताओं नोटिस दिया गया जिसे यह पता चलता है कि कोई उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकने के लिए कोशिश कर रहा है। अदालत ने कारण बताओ नोटिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए दावा किया कि पेरिस ओलंपिक में फोगाट की अयोग्यता 'राष्ट्रीय शर्म' की बात थी और सवाल उठाया कि यह क्यों नहीं माना जाना चाहिए कि डब्ल्यूएफआई ने उसके लिए चयन मानदंड बदल दिए थे।

डोपिंगरोधी नियमों के तहत अयोग्य घोषित

अदालत में आगे कहा, 'सर्कुलर में किए गए बदलाव से सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। इस तरह का व्यवहार न करें। यह खेलों के हित में नहीं है। पहले के सर्कुलर का पालन नहीं करना बहुत कुछ कहता है।' डब्ल्यूएफआई ने डोपिंगरोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए छह महीने की अनिवार्य नोटिस अवधि का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून, 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था।

चयन मानदंड में बदलाव

अदालत ने कहा, 'वह जुलाई 2025 में मां बनीं। अभी मई का महीना है। वह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान हैं। यह क्यों नहीं माना जा सकता कि आपने उनके लिए चयन मानदंड में बदलाव किया होगा? विवाद या मतभेद चाहे जो भी हो, खेल जगत को क्यों नुकसान होना चाहिए? देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है, क्या इसकी कीमत किसी व्यक्ति को भुगतनी चाहिए?'

व्यापार

आईपीओ में आ रही हैं 2 और कंपनियां, एक का सोने-चांदी का है कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, दवा क्षेत्र की कंपनी कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की कंपनी दीपा ज्वेलर्स को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बता दें कि कोटेक हेल्थकेयर ने सितंबर 2025 में और दीपा ज्वेलर्स ने दिसंबर 2025 में अपने मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल किए थे। दोनों कंपनियों को 18 मई 2026 को सेबी की टिप्पणिया प्राप्त हुई, जिसे आईपीओ लाने की मंजूरी माना जाता है।

क्या है डिटेल: कोटेक हेल्थकेयर का आईपीओ 295 करोड़ रुपये तक के नए शेयर इश्यू के साथ-साथ 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव है। कंपनी नई परियोजना स्थापित करने, मौजूदा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए उत्पादों के निर्माण के लिए 226.25 करोड़ रुपये का उपयोग करेगी। शेष रकम सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च की जाएगी। कंपनी एक कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन, या काम करती है। यह कई थेराप्यूटिक सेगमेंट में फार्मास्युटिकल कंपनियों को सेवाएं देती है। कंपनी 24 डोज कैटेगरी में फॉर्मूलेशन बनाती है, जिनमें इंजेक्टेबल, टैबलेट, कैप्सूल, ऑइंटमेंट, सिरप और इन्फ्यूजन शामिल हैं। इसके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एनेस्थेटिक्स, एंटीबायोटिक्स, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं, डर्मेटोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, न्यूट्रिशन, सप्लीमेंट और महिलाओं की हेल्थकेयर जैसे थेराप्यूटिक क्षेत्र शामिल हैं।

दीपा ज्वेलर्स: दीपा ज्वेलर्स का आईपीओ 250 करोड़ रुपये के नए इश्यू और 1,18,48,340 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है, जिसे प्रर्वतक अशोक अग्रवाल और सीमा अग्रवाल द्वारा बेचा जाएगा। 2016 में स्थापित कंपनी दीपा ज्वेलर्स हॉलमार्क वाली सोने की ज्वेलरी के बिजनेस-टू-बिजनेस प्रोसेसर और सप्लायर के तौर पर काम करती है। इसकी दक्षिण भारत के राज्यों- तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में मजबूत मौजूदगी है। कंपनी मुख्य रूप से 22-कैरेट सोने की ज्वेलरी की प्रोसेसिंग पर ध्यान देती है और एक आउटसोर्स्ड मैन्युफैक्चरिंग मॉडल के जरिए काम करती है, जिसे लगभग 40 कारीगरों का सहयोग प्राप्त है।

इसके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में पारंपरिक दक्षिण भारतीय ज्वेलरी की श्रेणियां शामिल हैं, जैसे कि वड्डनम, छ्हष्ट मशीन से कटी चूड़ियां, पुरुषों के कड़े, वांकी, कंगन, झुमके, मांगटीका, माटिल, चोटी के गहने और अंगूठियां। ज्वेलरी प्रोसेसिंग के अलावा, कंपनी जॉब-वर्क असाइनमेंट भी लेती है, जिसमें ग्राहक कच्चा माल देते हैं और कंपनी तैयार गहने बनाकर देती है। दीपा ज्वेलर्स चांदी के गहनों, सोने के बुलियन, कीमती पत्थरों और 18-20 कैरेट के ज्वेलरी प्रोडक्ट्स की ट्रेडिंग में भी लगी हुई है। कंपनी के अनुसार, नवंबर 2025 तक 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में इसके 315 ग्राहकों का बेस था, जिसमें ज्वेलरी रिटेल चेन और अलग से ज्वेलरी स्टोर शामिल हैं। कंपनी का बिजनेस मॉडल सीधे रिटेल ऑपरेशन के बजाय मुख्य रूप से थोक वितरण और प्रोसेसिंग पर केंद्रित है।

15 लाख जमा करके हर महीने 9,250 की बंधी-बंधाई इनकम

नई दिल्ली, एजेंसी। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम काफी पॉपुलर है। यह कम रिस्क लेने वाले ऐसे निवेशकों के बीच लोकप्रिय बचत योजना है, जो फिक्स्ड मंथली इनकम चाहते हैं। इस स्कीम को सरकार का समर्थन हासिल है। इस स्मॉल सेवगिंस स्कीम को खासतौर से रिटायर हो चुके लोग और ऐसे व्यक्ति पसंद करते हैं, जो बाजार से जुड़े रिस्क लिए बिना नियमित कमाई करना चाहते हैं। एक जॉइंट पोस्ट ऑफिस खाते में कोई भी व्यक्ति 15 लाख रुपये तक का निवेश कर सकता है। अगर वे अपने जॉइंट पोस्ट ऑफिस खाते में 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो उन्हें कितनी मंथली इनकम हो सकती है, आइए यहां उसका जवाब जानते हैं। मौजूदा नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपये तक और जॉइंट अकाउंट में 15 लाख रुपये तक का निवेश कर सकता है।

इस स्कीम में अभी सालाना 7.4 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है। इस ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।किसी एक व्यक्ति के सभी पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम खातों में जमा की गई कुल रकम एक सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपये और एक जॉइंट अकाउंट में 15 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम के लिए ब्याज दर निश्चित होती है। केंद्र सरकार की ओर से हर तीन महीने (तिमाही) में इसकी घोषणा की जाती है। स्कीम में 15 लाख रुपये के निवेश से आपको कितनी मंथली इनकम हो सकती है अगर आप 7.4 फीसदी की मौजूदा ब्याज दर पर एक जॉइंट पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम खाते में 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो मंथली पेआउट का कैलकुलेशन इस तरह किया जाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में हुई 8.1 अरब की भारी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया में भारी गिरावट हो रही है। इस बीच रुपया को सहारा देने के लिए रिजर्व बैंक ने सीधे हस्तक्षेप किया और खुले बाजार में डॉलर बेचा। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 8 से ज्यादा की गिरावट हुई। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई। इससे एक सप्ताह पहले की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 688.894 का रह गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 15 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 6.483 की तगड़ी कमी हुई। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 562 की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 545.904 बिलियन का रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के मूल्य में गिरावट हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 1.536 की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसकी वैल्यू में 5.637 का इजाफा हुआ था। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू घट कर 119.317 का रह गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7% बैठता है।

गोद में 4 महीने की बेटी और सड़क हादसे में पति की मौत, 500 से शुरू किया काम, अब 75 लाख का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। कनिका तालुकदार असम के नलबारी की रहने वाली हैं। उनकी कहानी साहस, आत्मनिर्भरता और कड़े संघर्ष की मिसाल है। साल 2008 में एक सड़क हादसे में पति को खोने के बाद कनिका के सामने अपनी चार महीने की बेटी को पालने की चुनौती थी। सिर्फ 10वीं क्लास तक पढ़ीं कनिका ने विपरीत परिस्थितियों के सामने घुटने टेकने के बजाय खुद का रास्ता चुनने का फैसला किया। उन्होंने सिर्फ 500 रुपये से वर्मीकम्पोस्ट बनाना शुरू किया। 'जयातु ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स' की नींव रखी। अब यह कंपनी वर्मीकम्पोस्ट के अलावा ऑर्गेनिक कीटनाशक और गाय के गोबर से बनी अगरबत्तियां भी बनाती है। कनिका का छोटा सा

प्रयास सफल कारोबार बन चुका है। इसका सालाना टर्नओवर 75 लाख रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां कनिका तालुकदार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सालों तक घरेलू कामों में हाथ बंटाती रहीं। लेकिन, साल 2014 में उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता की ओर कदम बढ़ाए। एक सेल्फ हेल्प ग्रुप ज्वाइन किया। एसएचजी में वह 'जीविका सखी' बनीं। उन्हें पहली बार यहीं बिजनेस और टीमवर्क की समझ मिली। इसी दौरान समूह के साथ नलबारी के कृषि विज्ञान केंद्र के एक दौरे ने उनकी जिंदगी बदल दी। वहां एक्सपर्ट डॉ. मानोषी चक्रवर्ती से केंचुआ खाद (वर्मीकम्पोस्ट) बनाने की ट्रेनिंग लेने के बाद कनिका बेहद प्रेरित हुईं। उन्होंने बिना वक्त गंवाए अपने माता-पिता के घर के पिछले हिस्से (बैकयार्ड) में सिर्फ 500 रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ केंचुआ खाद बनाने का बेहद छोटा प्रयोग शुरू किया। महंगे संसाधन खरीदने के पैसे न होने के कारण उन्होंने शुरुआत में घर के आसपास मिलने वाले ऑर्गेनिक कचरे को जुटा कर खाद का पहला बैच तैयार किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)